छ.ग. राज्य विद्युत कम्पनी मर्या. की गृह पत्रिका

संकल्प

मई-जून 2021 ■ वर्ष-18

स्वच्छ भारत

एक कदम स्वच्छता की ओर

EYE ON DEVELOPMENT OF CHHATTISGARH

छ.ग. राज्य विद्युत कम्पनी मर्या. की गृह पत्रिका

संकल्प

मई-जून 2021 ■ वर्ष-18

संरक्षक

श्री अंकित आनंद (IAS)
अध्यक्ष

श्री अशोक कुमार
प्रबंध निदेशक
(ट्रांसमिशन कंपनी)

श्री एन.के. बिजौरा
प्रबंध निदेशक
(जनरेशन कंपनी)

श्री राजेश वर्मा
प्रबंध निदेशक
(ट्रेडिंग कंपनी)

श्री हर्ष गौतम
प्रबंध निदेशक
(डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी)

श्रीमती उज्ज्वला बघेल
प्रबंध निदेशक
(होल्डिंग कंपनी)

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी मर्यादित

प्रदेश में विद्युत प्रगति का पटल

	नवंबर 2000	जून 2021
ताप विद्युत क्षमता	1240 मेगावॉट	3080 मेगावॉट
जल विद्युत क्षमता	120 मेगावॉट	138.70 मेगावॉट
कुल ताप, जल विद्युत क्षमता	1360 मेगावॉट	3224.70 मेगावॉट
क्षमता वृद्धि	---	1864.70 मेगावॉट
अति उच्चदाब उपकेंद्रों की संख्या	27 नग	123 नग
अति उच्चदाब लाइनों की लंबाई	5205 सर्किट कि.मी.	13234 सर्किट कि.मी.
केपेसिटर स्थापित क्षमता	94 एमव्हीएआर	1085 एमव्हीएआर
33/11 केव्ही उपकेंद्रों की संख्या	248 नग	1326 नग
33 केव्ही लाइनों की लंबाई	6988 सर्किट कि.मी.	23341 स. कि.मी.
11/04 केव्ही उपकेंद्रों की संख्या	29692 नग	192445 नग
11 केव्ही लाइनों की लंबाई	40556 कि.मी.	122671 कि.मी.
निम्नदाब लाइनों की लंबाई	51314 कि.मी.	207975 कि.मी.
विद्युतीकृत मजराटोलों की संख्या	10375	39526
विद्युतीकृत पंपों की संख्या (प्रावधिक)	73369	464618
एकलबत्ती कनेक्शन की संख्या (प्रावधिक)	630389	1797830

संपादक : **विजय कुमार मिश्रा** अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क)
सह सम्पादक : **अनामिका मण्डावी** ● सहयोग : **जाबिर मोहम्मद कुरैशी, प्रसन्न दुबे**
छाया : **संजय टेम्भे**, e-mail : vijay.mishra361@gmail.com

मान. मुख्यमंत्री द्वारा ऊर्जा विभाग के कार्यों की समीक्षा

सिंचाई पंपों के ऊर्जीकरण, नदी किनारे विद्युतीकरण प्राथमिकता से करने के निर्देश

माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने 29 जून को अपने निवास कार्यालय में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में ऊर्जा विभाग के कार्यों की समीक्षा की।

बैठक में लो वोल्टेज समस्या के निराकरण और हॉफ बिजली बिल योजना, स्थानीय लोगों को रोजगार सहित विभिन्न कार्यों की प्रगति पर चर्चा हुई। इस दौरान मुख्यमंत्री जी ने वनांचल में नदियों के किनारे विद्युत लाईन बिछाकर किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए शीघ्र कार्ययोजना तैयार करने निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के आकांक्षी जिलों विशेषकर बस्तर, सरगुजा अंचल सहित कोरबा जिले में नदियों के किनारे विद्युत लाईन के विस्तार के काम में डीएमएफ फंड का उपयोग किया जाए। इससे किसानों को जहां सिंचाई सुविधा मिलेगी, वहीं उनके जीवन स्तर ऊपर उठाया जा सकेगा।

बैठक में मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन, अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू, मुख्यमंत्री के सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी, विशेष सचिव ऊर्जा और छत्तीसगढ़ पॉवर कंपनियों के अध्यक्ष श्री अंकित आनंद, पॉवर कंपनी के प्रबंध निदेशक सर्वश्री एन.के. बिजौरा, राजेश वर्मा, हर्ष गौतम, श्रीमती उज्ज्वला बघेल एवं श्री एस.डी. तेलंग सहित ऊर्जा विभाग के उच्चाधिकारीगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नदियों के पानी का उपयोग करने से भू-जल का दोहन रुकेगा, वहीं सतही जल के उपयोग से बिजली की खपत कम होगी। विद्युत सुविधा विहिन वनांचलों मे किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सौर सुजला योजना में सोलर पंप उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री श्री बघेल द्वारा बजट सत्र 2021 के दौरान किसानों के 35 हजार 161 सिंचाई पंपों के ऊर्जीकरण की घोषणा की गई है। इसके अनुपालन में हुई प्रगति का ब्यौरा देते हुए ऊर्जा विभाग के विशेष सचिव श्री अंकित आनंद ने बताया कि इसमें से 11 हजार 661 सिंचाई पंपों को बिजली कनेक्शन दे दिए गए हैं और 23 हजार 500 सिंचाई पंपों को कनेक्शन देने का कार्य प्रगति पर है, जिसे नवम्बर के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

विद्युत अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण के लिए प्रदेश में चलाई जा रही मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि अगले तीन वर्षों में 817 करोड़ रूपए व्यय कर 33/11 के.व्ही. के 112 नये उपकेन्द्र बनाए जाएंगे, 166 पावर ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाई जाएगी। 3020 किलोमीटर 33 के.व्ही. लाइन और 1715 किलोमीटर 11 के.व्ही. लाइन का विस्तार किया जाएगा। गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले के अंधियारखोर और आमाडांड में 2 उपकेन्द्रों का निर्माण अगस्त 2021 तक और कोरिया जिले के कटघोड़ी के विद्युत उपकेन्द्र का निर्माण दिसम्बर तक पूर्ण होगा। बैठक में बताया गया कि विद्युत कम्पनियों मे 129 लोगों को अनुकंपा नियुक्ति दी गई है।

बैठक में मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गांवों, कस्बों, नगरीय निकायों में सोलर हाई मास्ट स्थापना के लिए डीएमएफ की राशि, का उपयोग किया जाए। इसी प्रकार विधायक निधि का उपयोग भी सोलर मास्ट लाईट की स्थापना में किया जा सकता है। उन्होंने नदी और एनीकट के समीप स्थित तालाबों को सोलर पंप से भरे जाने, बायोगैस संयंत्र की स्थापना, सौर ऊर्जा प्लांट, सोलर पेयजल योजना, जल जीवन मिशन के तहत स्वीकृत कार्यों, बायो फ्यूल विकास प्राधिकरण के तहत किए जा रहे विभिन्न अनुसंधान कार्य की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

बैठक में बताया गया कि उपभोक्ता सेवा हेतु सीएसपीडीसीएल द्वारा बनाए गए मोर बिजली एप को 6 लाख 70 हजार से ज्यादा बिजली उपभोक्ता उपयोग में ला रहे हैं। एप के माध्यम से माह नवम्बर से अब तक 2 लाख 82 हजार से अधिक बिजली बंद होने की शिकायतों का निराकरण किया गया है, वहीं एप से 8 लाख 70 हजार से अधिक बिजली बिल का भुगतान किया गया है।

श्री संजय तेलंग द्वारा ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक का पदभार ग्रहण

छत्तीसगढ़ राज्य शासन के ऊर्जा विभाग द्वारा जारी आदेशानुसार श्री संजय दत्तात्रेय तेलंग को छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी के संचालक एवं प्रबंध निदेशक के पद पर नियुक्ति दी गई है, तदानुसार उन्होंने 29 जून 2021 को अपना पदभार ग्रहण किया।

श्री संजय तेलंग छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी में कार्यपालक निदेशक (भंडार एवं क्रय) के पद पर सेवारत थे। नवनियुक्त प्रबंध निदेशक श्री संजय तेलंग को पदभार ग्रहण करने के उपरांत पावर कंपनीज के वरिष्ठ अधिकारियों कर्मचारियों ने हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी।

नया पदभार ग्रहण करने के उपरांत एमडी. श्री तेलंग ने अपनी पदस्थापना के लिए राज्य शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए शासन की रीति नीति के अनुसार जनहित में कार्य करने को अपनी प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा जो जिम्मेदारी दी गई है उसका निर्वहन छत्तीसगढ़ के विद्युत विकास के लिए वे पूरी निष्ठा से करेंगे। सुदूर वनांचलो तक गुणवत्ता पूर्ण बिजली की आपूर्ति हो सके इसके लिए पारेषण प्रणाली का विस्तार एवं उन्नत करने के लिए वे सदैव तत्पर रहेंगे।

एमडी श्री संजय दत्तात्रय तेलंग का जीवन परिचय

श्री संजय तेलंग का जन्म 04 जून 1959 को जबलपुर (मध्यप्रदेश) में हुआ। आपने वर्ष 1976 में हायर सेकेण्डरी की परीक्षा उत्तीर्ण करने के उपरान्त वर्ष 1981 में बी.ई. की उपाधि जबलपुर अभियांत्रिकी महाविद्यालय से प्राप्त की। विद्या अध्ययन की पूर्णता के उपरांत वर्ष 1983 से मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल में ग्रेजुएट ट्रेनी के रूप में आपने इटारसी से सेवायात्रा आरंभ किया। आगे वर्ष 1984 में सहायक अभियंता के पद पर आपको नियमित नियुक्ति ग्वालियर में मिली। इस पद पर आपने ग्वालियर एवं रायपुर में अपनी सेवाएं दी। आगे वर्ष 2002 में कार्यपालन अभियंता तथा 2010 में अधीक्षण अभियंता एवं 2018 में अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर आपको पदोन्नति प्राप्त हुई। इन पदों पर आपने रायपुर, जगदलपुर में अपनी तकनीकी कार्यकुशलता को प्रदर्शित किया। जिसका मूल्यांकन करते हुए कंपनी प्रबंधन द्वारा आपको वर्ष 2019 में मुख्य अभियंता तथा मार्च 2021 को कार्यपालक निदेशक के शीर्ष पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई।

लगभग 38 वर्षों की सेवा यात्रा के दौरान आपने वर्ष 1993 एस.टी.एम ग्वालियर में रहते हुए न्यूनतम व्यय पर पॉवर ट्रांसफार्मर के सुधार कार्य, वर्ष 1996 से 1999 के दौरान ग्वालियर के बड़े औद्योगिक एवं वाणिज्यिक संस्थानों में विद्युत चोरी पर नियंत्रण सहित शत प्रतिशत बिलिंग करने, वर्ष 2016-17 में बिलासपुर में सेवारत रहते हुए ए.टी. एंड सी. लॉस में कमी (14.65 प्रतिशत) करने सहित वर्ष 2011-12 में रायपुर में पदस्थ रहते हुए रि-स्ट्रक्चरिंग एक्सीलरेटेड पॉवर डेवलपमेंट एंड रिफार्म प्रोग्राम (आर-एपीडीआरपी) संबंधी निविदा कार्य का निष्पादन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में उल्लेखनीय भूमिका का निर्वहन किया। आपकी उत्कृष्ट सेवाओं का मूल्यांकन करते हुए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आपको स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी में प्रबंध निदेशक एवं संचालक की महती जिम्मेदारी सौंपी गई है।

एटीपी मशीन की मिली सौगात

सिरगिट्टी क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं को अब अपना बिजली बिल जमा करने के लिए न तो समय गवाना पड़ेगा न ही अब काउंटर पर घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ेगा। नगर संभाग तोरवा बिलासपुर में एटीपी मशीन के माध्यम से बिल जमा करने शुरुआत की गई है। सिरगिट्टी क्षेत्र घनी अबादी एवं औद्योगिक कारखानों से परिपूर्ण होने के कारण उपभोक्ताओं की संख्या अधिक है। यहां उपभोक्ताओं को बिजली का बिल जमा करने में परेशानियों का सामना करना पड़ता था जिसे पॉवर कंपनी ने गंभीरता से लेते हुए एटीपी मशीन की सौगात दी है। जिसका लोकार्पण बिलासपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री भीम सिंह कंवर द्वारा किया गया इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता श्री वाई.के. मनहर, कार्यपालन यंत्री पी.वी.एस.राजकुमार सहित पॉवर कंपनी के अधिकारी कर्मचारी उपस्थिति रहे।

पारेषण प्रणाली उन्नत करने 3.88 करोड का नया ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत

छत्तीसगढ़ में विद्युत की सहज एवं सस्ती उपलब्धता के कारण कृषि पम्पों की मांग के साथ साथ अनेक फसल लेने की दिशा में कृषि जगत में कामयाब पहल हुई है। कृषि पम्पों की बढ़ती संख्या से प्रदेश की विद्युत प्रणाली पर भी तेजी से भारवृद्धि का आकलन किया गया हैं। विद्युत की बढ़ती मांग की निर्बाध आपूर्ति सुदूर ग्रामीण अंचलों में करना राज्य शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। इसे साकार करने हेतु पारेषण प्रणाली को भी सुदृढ़ किया जा रहा है। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी को 3.88 करोड़ की लागत से स्थापित ट्रांसफार्मर को ऊर्जीकृत करने में 1 जून को बड़ी कामयाबी मिली।

इस संबंध में एमडी श्री अशोक कुमार ने जानकारी दी कि 132/33 के.व्ही. उपकेंद्र तखतपुर में स्थापित उक्त ऊर्जीकृत ट्रांसफार्मर की क्षमता 40 एमव्हीए है। उक्त अतिरिक्त ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकृत हो जाने से तखतपुर, मुंगेली, पथरिया क्षेत्र के रहवासियों एवं कृषकों को गुणवत्तापूर्ण बिजली की आपूर्ति हो सकेगी। कोरोना महामारी के संक्रमण काल में भी पारेषण कंपनी के अधिकारियों-कर्मचारियों ने विशालकाय अतिरिक्त ट्रांसफार्मर की स्थापना एवं ऊर्जीकरण के कार्य को निष्पादित कर अपनी उत्कृष्ट कार्यदक्षता को प्रदर्शित किया है। ऐसी कामयाबी के लिए पारेषण कंपनी की टीम के कर्मियों को कंपनी प्रबंधन ने बधाई प्रेषित की है।

आगे एमडी श्री कुमार ने बताया कि प्रदेश के कृषि-उद्योग जगत की "लाइफ लाइन" विद्युत प्रणाली के विस्तार हेतु अनेक पारेषण परियोजनाएं पाइप लाइन में आकार लेने तैयार है। जिनमें से ज्यादातर सुदूर ग्रामीण-वनांचलों की परियोजनाएं शामिल है। ऐसी परियोजनाओं के क्रियान्यवन के फलस्वरूप छत्तीसगढ़ में 123 अतिउच्च दाब उपकेंद्रों सहित इनसे सम्बद्ध 13002 सर्किट किलोमीटर लाईन का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है।

विद्युत उपकेंद्र नांदघाट में पॉवर ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि

दुर्ग क्षेत्र के विभागीय संभाग बेमेतरा के अंतर्गत 33/11 के.व्ही. विद्युत उपकेंद्र नांदघाट में पॉवर ट्रांसफार्मर की क्षमता 3.15 एम.व्ही.ए.से बढ़ाकर 05 एम.व्ही.ए. किया गया। विद्युत उपकेंद्र में पॉवर ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि का कार्य 28 लाख 93 हजार रुपए की लागत से मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना के अंतर्गत संपन्न किया गया।

बेमेतरा संभाग के कार्यपालन अभियंता श्री उमेश ठाकुर ने बताया कि उपकेंद्र के पॉवर ट्रांसफार्मर में क्षमता वृद्धि से विद्युत उपकेंद्र नांदघाट के लगभग 13 गांवों के उपभोक्ताओं को लो-वोल्टेज एवं ओवर लोडिंग की समस्या से राहत मिलेगी एवं सभी घरों तक उच्च गुणवत्ता की बिजली पहुंचेगी। विद्युत उपकेंद्र नांदघाट में पॉवर ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि से ग्राम तारपोंगी, मगरघटा, धोबघट्टी, मलदा, कान्हरपुर, खपरी, केशला, तिरैय्या, भदाराली, घोघराली, खम्हरिया, मुटपुरी एवंम उके उपभोक्ता लाभान्वित होंगे।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल ने अधीक्षण अभियंता श्री ए.के. गौराहा कार्यपालन अभियंता द्वय श्री जे.जगन्नाथ प्रसाद एवं श्री उमेश ठाकुर, सहायक अभियंता श्री विवेक पैकरा, कनिष्ठ अभियंता श्री निरंजन दास एवं उनकी पूरी टीम को बधाई देते हुए बताया कि पॉवर कंपनी के अधिकारी एवं कर्मचारी उपभोक्ताओं तक गुणवत्तापूर्ण बिजली पहुंचाने के लिए समर्पित होकर कार्य कर रहे हैं।

विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में अर्जित उपलब्धियां

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के ताप एवं जल विद्युत गृहों में कार्यरत अधिकारियों-कर्मचारियों की टीम ने अपनी बेहतर कार्यदक्षता को प्रदर्शित करते हुए कोरोना संक्रमण काल में भी उत्कृष्ट कार्यशैली को बनाये रखने सफल प्रयास किया। फलस्वरूप नई सरकार की विद्युत विषयक रीति-नीति का अनुपालन करते हुए बीत ढाई वर्षों के दौरान अनेक उपलब्धियां अर्जित की गई जिनका विवरण निम्नानुसार हैं :

- वित्तीय वर्ष 2018-19 में सर्वकालिक अधिकतम वार्षिक विद्युत उत्पादन कुल 21552.399 मिलियन यूनिट (तापीय 21277.503 मिलियन यूनिट पीएलएफ 74.05% जलीय 268.809 मिलियन यूनिट एवं अन्य सह-उत्पादन 6.087 मिलियन यूनिट) हुआ।
- छ.रा.वि.उत्पा.कं.मर्या. के संयंत्रों में सहायक विद्युत खपत वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान 7.40% रही, जो कि अब तक की न्यूनतम है(पिछला कीर्तिमान 7.64% वर्ष 2017-18 में था)।
- वित्तीय वर्ष 2018-19 में छ.रा.वि.उत्पा. कं.मर्या. के ताप विद्युत संयंत्रों के लिये वार्षिक उत्पादन लक्ष्य केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा 20842 मिलियन यूनिट एवं छ.ग.राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा 21157.96 रखा गया था, जिसके एवज में वर्ष 2018-19 में कुल 21552.399 मिलियन यूनिट का विद्युत उत्पादन हुआ है।
- वित्तीय वर्ष 2019-20 में हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम में लॉन्ग डिस्टेन्स कोल कन्वेयर के माध्यम द्वारा एस.ई.सी.एल. के 20000 मीट्रिक टन क्षमता वाले नये कोल बंकर से कोयले की आपूर्ति दिनांक 24.12.2019 से प्रारंभ की गई।
- वित्तीय वर्ष 2020-21 में (1x500 मेगावाट) कोरबा पश्चिम विस्तार ताप विद्युत गृह द्वारा सर्वकालिक अधिकतम उत्पादन 4065.531 मिलियन यूनिट व संयंत्र उपयोगिता गुणांक 92.82% किया गया। (पिछला कीर्तिमान 4009.976 मिलियन यूनिट व संयंत्र उपयोगिता गुणांक 91.55% वर्ष 2018-19 में था)।
- वित्तीय वर्ष 2020-21 में (2x250 मेगावाट) डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह, कोरबा पूर्व इकाई क्रमांक 01 ने 94.38% प्लांट उपलब्धता घटक व 87.77% PLF के साथ दिनांक 14.03.2020 से 01.09.2020(171 दिन 6:20 मिनट) तक निरंतर इकाई चलाने का कीर्तिमान प्राप्त किया है जो कि इस इकाई का सर्वकालिक अधिकतम है।
- वित्तीय वर्ष 2020-21 में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी लिमिटेड के जल विद्युत गृहों द्वारा 462.526 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया गया जो कि छ.ग. राज्य गठन (नवम्बर 2000) के बाद का सर्वकालिक अधिकतम उत्पादन रहा है। पिछला कीर्तिमान वित्तीय वर्ष 2001-02 में 403.25 मिलियन यूनिट का था।
- वित्तीय वर्ष 2020-21 में 3x40 मेगावाट मिनीमाता हसदेव-बांगो जल विद्युत गृह, माचाडोली द्वारा माह-अगस्त 2020 में 87.74 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन कर सर्वकालिक अधिकतम मासिक विद्युत उत्पादन का कीर्तिमान रचा।
- वित्तीय वर्ष 2020-21 में 3x40 मेगावाट मिनीमाता हसदेव-बांगो जल विद्युत गृह, माचाडोली द्वारा 419.18 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया गया जो कि छ.ग. राज्य गठन (नवम्बर 2000) के बाद का सर्वकालिक अधिकतम उत्पादन रहा है। पिछला कीर्तिमान वित्तीय वर्ष 2001-02 में 403.25 मिलियन यूनिट का था।

राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धि

- वित्तीय वर्ष 2018-19 में केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण नई दिल्ली (CEA) की रिपोर्ट के अनुसार स्टेट सेक्टर के विद्युत गृहों का औसत पीएलएफ 57.65 प्रतिशत रहा वहीं छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी लिमिटेड 74.05 प्रतिशत पीएलएफ के साथ स्टेट सेक्टर में चतुर्थ स्थान पर रहा।
- वित्तीय वर्ष 2019-20 में केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण नई दिल्ली की रिपोर्ट के अनुसार स्टेट सेक्टर के 33 विद्युत गृहों का औसत पीएलएफ 50.26 प्रतिशत रहा वहीं छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी लिमिटेड 67.31 प्रतिशत पीएलएफ के साथ स्टेट सेक्टर में तृतीय स्थान पर रहा।
- वित्तीय वर्ष 2019-20 में केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण नई दिल्ली की रिपोर्ट के अनुसार देश के 250 ताप विद्युत गृहों में (2x250 मेगावाट) डी.एस.पी.एम. ताप विद्युत गृह कोरबा पूर्व को आठवां सर्वश्रेष्ठ विद्युत गृह होने का गौरव प्राप्त हुआ।
- वित्तीय वर्ष 2020-21 दिसंबर 2020 की स्थिति में केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण नई दिल्ली की रिपोर्ट के अनुसार स्टेट सेक्टर के विद्युत गृहों का औसत पीएलएफ 42.12 प्रतिशत रहा एवं राष्ट्रीय ताप विद्युत गृहों का औसत पीएलएफ 51.49 प्रतिशत रहा जबकि जनरेशन कंपनी लिमिटेड 70.08% पीएलएफ के साथ स्टेट सेक्टर में प्रथम स्थान पर रहा।

मान. मुख्यमंत्री के कर कमलों से 33 के.व्ही.उपकेंद्र सोनपुर लोकार्पित

दुर्ग क्षेत्र द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत की सुविधा को बेहतर बनाने के लिए नित नये कार्य किये जा रहे है।इसी तारतम्य में पाटन विधान सभा क्षेत्र के ग्राम सोनपुर में 33/11 के.व्ही सब-स्टेशन का निर्माण किया गया है, जिससे आस पास के लगभग 09 गांवों के उपभोक्ता बेहतर विद्युत सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। उल्लेखनीय है कि दिनांक 08 जून 2021 को वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा उपकेंद्र का लोकार्पण किया जा चुका है। कार्यक्रम में दुर्ग के प्रभारी मंत्री श्री मोहम्मद अकबर, लोक निर्माण मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू, कृषि मंत्री श्री रविन्द्र चौबे, लोकस्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीगुरु रुद्रकुमार, विधायक दुर्ग शहर श्री अरुण वोरा, विधायक भिलाई नगर श्री देवेन्द्र यादव, अध्यक्ष जिला पंचायत दुर्ग श्रीमती शालिनी यादव, महापौर दुर्ग नगर निगम श्री धीरज बाकलीवाल, महापौर भिलाई चरौदा श्रीमती चंद्रकांता माण्डले सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल ने बताया कि उक्त कार्य मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना विकास योजना के अंतर्गत 02 करोड़ 88 लाख 06 हजार रुपए की लागत से पूर्ण किया गया है।उन्होंने बताया कि नव निर्मित सब-स्टेशन के ऊर्जीकृत होने से ग्राम सोनपुर, खम्हरिया, डंगनिया, तेलीगुंडरा, खर्रा, भनसुली, जरवाय, सिपकोना एवं तर्रीघाट के लगभग पांच हजार दो सौ विद्युत उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। श्री पटेल ने इस कार्य को क्रियावयन में अधीक्षण अभियंताश्री ए.के. गौराहा एवं भिलाई संभाग के कार्यपालन अभियंता श्री धर्मेन्द्र कुमार भारती कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता एवं लाइनमैन सहित उनकी पूरी टीम को बधाई प्रेषित की है।

सामाजिक सद्भाव-शांति को बनाए रखें -एम.डी. श्री कुमार

पॉवर कंपनी में आतंकवाद विरोधी दिवस पर ली गई शपथ

छत्तीसगढ़ राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी दिशा निर्देश के अनुपालन में पॉवर कंपनी मुख्यालय सहित विभिन्न कार्यालयों में आतंकवाद विरोधी दिवस पर अधिकारियों-कर्मचारियों ने शपथ ली।

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर आयोजित आतंकवाद विरोधी दिवस कार्यक्रम में प्रबंध निदेशक श्री अशोक कुमार ने अहिंसा और सामाजिक सद्भाव को बनाए हुए मानव जीवन मूल्यों के लिए विघटनकारी तत्वों से लड़ने की शपथ दिलाई।

पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री डी.आर. साहू के नेतृत्व में अधिकारियों- कर्मचारियों ने शपथ लेते हुए आतंकवाद और हिंसा का डटकर विरोध करने का संकल्प दोहराया। शपथ कार्यक्रम में कोविड-19 महामारी के संक्रमण संबंधी सतर्कता उपायों का ध्यान रखते हुए अति. मुख्य अभियंता सर्वश्री आर.सी अग्रवाल, जितेन्द्र मेहता सहित अन्य अधिकारियों-कर्मचारियों ने भागीदारी दी।

नवपदस्थ एमडी श्री तेलंग का स्वागत सेवानिवृत्त एमडी श्री कुमार की विदाई

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी से सेवानिवृत्त प्रबंध निदेशक श्री अशोक कुमार को विदा देते हुए नवपदस्थ प्रबंध निदेशक श्री एस.डी. तेलंग का स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। भारप्रेषण केन्द्र डंगनिया मुख्यालय रायपुर में आयोजित स्वागत-विदाई कार्यक्रम में ट्रांसमिशन कंपनी के नवपदस्थ एमडी श्री एस.डी. तेलंग ने श्री कुमार को प्रतीकात्मक भेंट प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर विदा लेते प्रबंध निदेशक श्री कुमार ने अपनी सेवायात्रा में अधिकारियों/कर्मचारियों से मिले सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया।

इसी क्रम में एमडी श्री तेलंग ने कहा कि राज्य शासन की मंशा अनुसार पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी सुदूर ग्रामीण अंचलों तक निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु पारेषण लाईनों के विस्तार सहित नये उपकेन्द्रों का निर्माण तीव्र गति से कर रही है। उन्होंने कहा कि श्री कुमार के साथ विभिन्न पदों पर कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ है। इस दौरान कठिन से कठिन कार्यों को सहजता से संपन्न करने की उनकी कार्यशैली प्रेरणादायी रही है। शासन द्वारा सौंपी गई नई जिम्मेदारियों को कर्त्तव्यनिष्ठा के साथ पूरा करते हुए ट्रांसमिशन कंपनी की उत्तरोत्तर प्रगति उनकी प्राथमिकता होगी।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक सर्वश्री के.एस. मनोठिया, एम.एस. चौहान, आई.एल. देवांगन, आर.के.शुक्ला, पी.सी. पारधी, आर.के. श्रीवास्तव, जे.एस. नेताम एवं मुख्य अभियंता श्री डी.के. चावड़ा ने श्री कुमार को मंगलकामना प्रेषित कर श्री तेलंग को नये कार्यकाल के लिए शुभकामनायें दी। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ प्रकाशन अधिकारी श्री गोविंद पटेल ने एवं आभार प्रदर्शन एजीएम (एचआर) श्री के.के. भौरासे ने किया।

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर विशेष व्याख्यानमाला का आयोजन

हिन्दी-छत्तीसगढ़ी पत्रकारिता के इतिहास पर विजय मिश्रा ने डाला प्रकाश

राजधानी रायपुर के स्कूल आफ इंजीनियरिंग एवं रिचर्स (आईटीएम यूनिवर्सिटी) में भी हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी के अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसम्पर्क) श्री विजय मिश्रा, आईटीएम विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. विकास सिंह सहित अन्य उपस्थितजनों ने विचार व्यक्त किये।

व्याख्यानमाला के आरंभ में कुलपति डॉ. सिंह ने देश के प्रथम हिन्दी समाचार पत्र "उदंड मार्तण्ड" के जनक पंडित जुगल किशोर शुक्ल का स्मरण करते हुए पत्रकारिता जगत में उनके योगदान और स्थापित मूल्यों को नमन किया गया। हिन्दी पत्रकारिता की महत्ता प्रतिपादित करते हुए उन्होंने कहा कि पूरे विश्व में प्रकाशित होने वाले समाचारपत्रों में हिन्दी समाचारपत्रों की अग्रणी भूमिका रही है.

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एजीएम श्री विजय मिश्रा ने हिन्दी पत्रकारिता के चुनौतीपूर्ण इतिहास के विभिन्न पहलुओं की चर्चा की। उन्होंने हिन्दी पत्रकारिता के सर्वांगिण विकास में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानिओ, साहित्यकारों और श्रमजीवी पत्रकारों के अमूल्य योगदान को रेखांकित किया।

इसी क्रम में उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य में हिन्दी पत्रकारिता के विकास में माधवराव सप्रे द्वारा प्रकाशित एवं सम्पादित छत्तीसगढ़ मित्र को आंचलिक पत्रकारिता का आधार स्तम्भ बताया। प्रेस प्रबंधन सहित विभिन्न शासकीय, अशासकीय एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के बहुआयामी विकास के पीछे जनसम्पर्क एवं विज्ञापन रणनीति को भी उन्होंने व्यक्त किया।

कार्यक्रम में इंजीनियरिंग संकाय के विभागाध्यक्ष डॉ सत्यप्रकाश माखीजा ने स्वागत उद्बोधन व्यक्त करते हुए आईटीएम यूनिवर्सिटी में हिन्दी दिवस के आयोजन की महत्ता को प्रतिपादित किया। इस कार्य्रक्रम में जीवनविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. रुपेश ठाकुर, प्रो. अमेया जानी, डॉ. अनूप श्रीवास्तव, डॉ. पूजा श्रीवास्तव, डॉ. जय गोडेजा, कुलश्रेष्ठ सिन्हा, मोहित साहू प्रवीण भोजने मौजूद थे. कार्यक्रम का संचालन डॉ. नितिन जायसवाल ने तथा आभार प्रदर्शन प्रो. नारायण साहू ने किया।

विद्युत नियामक आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री हेमंत वर्मा से पॉवर कम्पनीज के अध्यक्ष श्री अंकित आनंद की सौजन्य भेंट

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष पद पर राज्य शासन के आदेशानुसार इंजीनियर हेमंत वर्मा की नियुक्ति की गई। नवनियुक्त अध्यक्ष श्री वर्मा को मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में 03 जुलाई 2021 को आयोजित कार्यक्रम में मान. मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने शपथ दिलाई।

शपथ ग्रहण कार्यक्रम में उपस्थित छग शासन के विशेष सचिव (ऊर्जा) एवं पॉवर कम्पनीज के अध्यक्ष श्री अंकित आनंद ने नवपदस्थ अध्यक्ष श्री हेमंत वर्मा का पुष्पगुच्छ से स्वागत कर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पॉवर कंपनीज के प्रबंध निदेशकों सहित आयोग के अन्य उच्चाधिकारियों ने भी उन्हें मंगलकामनाएं दीं।

पॉवर कंपनी से सेवानिवृत्तजनों की भावभीनी विदाई

ईडी सर्वश्री पाठक, मेहता, दुबे ने की करीब चार दशक सेवा

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज से सेवानिवृत्त कार्यपालक निदेशक श्री रविन्द्र पाठक, श्री सुनील कुमार मेहता एवं मुख्य अभियंता श्री सुरेश कुमार दुबे की सेवानिवृत्ति पर विद्युत सेवाभवन में भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में प्रबंध निदेशक सर्वश्री अशोक कुमार, एन.के.बिजौरा, राजेश वर्मा, हर्ष गौतम सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने पॉवर जनरेशन कंपनी से सेवानिवृत्त अभियंताओं के कार्यों को सराहनीय, अनुकरणीय निरूपित कर मंगलकामनाओं की अभिव्यक्ति दी।

विदाई कार्यक्रम में पॉवर कम्पनीज के प्रबंध निदेशकगण ने सेवानिवृत्त अभियंताओं की दीर्घकालीन सेवाओं को पॉवर कम्पनीज एवं प्रदेश विकास के लिए बहुमूल्य बताया। साथ ही छत्तीसगढ़ को देश का पॉवर हब बनाये रखने में उनकी भूमिका को सराहनीय निपरूपित किया। उन्होंनें सेवानिवृत्तजनों के सपरिवार सुखमय जीवन की कामना करते हुए प्रतीकात्मक भेंट, प्रशिस्त पत्र प्रदान किया। अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसम्पर्क) श्री विजय मिश्रा ने सेवानिवृत्त हो रहे अभियंताओं के जीवन परिचय पर प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम का संचालन किया।

सेवानिवृत्त अभियंताओं की 40 वर्षीय सेवायात्रा

छत्तीसगढ़ को देश की ऊर्जाधानी के रूप में पहिचान मिली हुई है। यहॉ विद्युत नगरी कोरबा में स्थापित विद्युत उत्पादन गृहों की स्थापना और संचालन में करीब चार दशक की सेवायें सेवानिवृत्त वरिष्ठ अभियंताओं ने दी। अपने सेवाकाल में ईडी श्री रविन्द्र पाठक, ने विद्युत उत्पादन के साथ मानव संसाधन विभाग में, ईडी श्री सुनील कुमार मेहता ने बांगो जल विद्युत गृह ने सर्वाधिक विद्युत उत्पादन का कीर्तिमान बनाने सहित छत्तीसगढ़ गठनोपरांत लोड डिस्पेज सेंटर की स्थापना तथा मुख्य अभियंता श्री सुरेश कुमार दुबे ने विद्युत गृहों के सिविल संबंधी कार्यों के अलावा गारेपेलमा कोल सेक्टर संबंधी कार्यों को कुशलतापूर्वक संपादित कराने में उल्लेखनीय भूमिका का निवर्हन किया है। अपनी सफलता का श्रेय सेवानिवृत्त अभियंताओं ने पॉवर कंपनी परिवार को देते हुए सेवायात्रा में मिले सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

छत्तीसगढ स्टेट ट्रांसमिशन कंपनी की योजनाएं एवं उपलब्धियां

छत्तीसगढ़ की विद्युत नगरी कोरबा में उत्पादित बिजली सहित अन्य स्त्रोतों से प्राप्त बिजली की गुणवत्तापूर्वक पारेषण का ही सुपरिणाम है कि आज सघन वनांचलों सहित सुदूर ग्रामीण अंचलों में विद्युत से विकास की नई गाथा लिखी जा रही है। आदिवासी भाईयों, किसानों सहित आमजनों के भीतर बिजली की सहज उपलब्धता ने ऊर्जा से तीव्र उन्नति की नई उम्मीद जगा दी है।

माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी के बीते ढाई वर्षों के कार्यकाल (दिसंबर 2018 से 31 मई 2021 तक) में पारेषण जगत में आई सदृढ़ता के दम पर यह संभव हो सका है। मुख्यमंत्री का पदभार ग्रहण करने के उपरांत उन्होंने गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ का नारा दिया। जिसे चरितार्थ करते हुए छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी ने अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है। जो कि निम्नानुसार हैः

- दिसंबर 2018 में प्रदेश में 400 के.व्ही., 220 के.व्ही. एवं 132 के.व्ही. उपकेन्द्रों की संख्या क्रमशः 3, 23 एवं 92 (कुल 118 नग) थी जो 31 मई 2021 में बढ़कर क्रमशः 4, 25 एवं 94 (कुल 123 नग) हो गई है।
- दिसंबर 2018 में 400 के.व्ही., 220 के.व्ही. एवं 132 के.व्ही. लाईनों की लंबाई क्रमशः 1916, 3602 एवं 6494 (कुल 12012) सर्किट कि.मी. थी जो 31 मई 2021 को बढ़कर क्रमशः 1918, 4032, 7192 (कुल 13142) सर्किट किलोमीटर हो गई है।
- दिसंबर 2018 में छत्तीसगढ़ राज्य पारेषण प्रणाली में स्थापित कुल ट्रांसफार्मर की क्षमता 17664 एम.व्ही.ए. थी, जो बढ़कर 31 मई 2021 तक 20534 एम.व्ही.ए. हो गई है।
- राज्य में पारेषण प्रणाली का उपलब्धता सूचकांक 99.93 प्रतिशत रहा। बेहतर कार्ययोजना के फलस्वरूप बीते ढाई वर्षों में पारेषण हानि 3.09 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2019- 20 में 2.96 प्रतिशत हो गई है, जो कि छ.ग. राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा निर्धारित लक्ष्य 3.22 प्रतिशत से कम है।
- मुख्यमंत्री जी की मंशानुरूप आदिवासी क्षेत्र बस्तर के चहुंमुखी विकास हेतु बस्तर क्षेत्र में 02 नग 220 के.व्ही. उपकेन्द्र (जगदलपुर एवं नारायणपुर) एवं 01 नग 132 के.व्ही. उपकेन्द्र बीजापुर तथा 400 के.व्ही. जगदलपुर उपकेन्द्र से बारसूर तक 89 किलोमीटर लम्बी 220 के.व्ही. पारेषण लाईन का निर्माण कर उसे ऊर्जीकृत करने में बड़ी कामयाबी मिली।
- राजधानी रायपुर के औद्योगिक क्षेत्र उरला, बिरगांव में विद्यमान 132 के.व्ही. लाईनों की पारेषण क्षमता के उन्नयन हेतु पुराने पैंथर कन्डक्टर को नयी तकनीक से बनी उच्च क्षमता वाले एच.टी. एल.एस. कन्डक्टर से बदलने का कार्य पूर्ण किया गया फलस्वरूप इस क्षेत्र की पारेषण क्षमता लगभग 50 मेगावाट बढ़ गई है। उद्योग जगत की उन्नति की दृष्टि से यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

विद्युत अधोसंरचना हेतु क्रियाशील उपकेंद्र

वर्ष 2016 से 2021 तक के अनुमोदित पूंजी निवेश योजना (Capital Investment Plan) में स्वीकृत कार्यों के अंतर्गत दिसंबर 2018 से 31 मई 2021 तक प्रदेश में पारेषण प्रणाली के उन्नयन हेतु निम्नलिखित प्रमुख कार्य किये गए:-

- 400 के.व्ही. उपकेन्द्र कुरूद (धमतरी) को ऊर्जीकृत। ।
- 220 के.व्ही. के तीन उपकेन्द्र यथा जगदलपुर, नरायणपुर एवं बिलासपुर (धरदेही) को ऊर्जीकृत।
- 132 के.व्ही. क्षमता के 02 नग उपकेन्द्र यथा बीजापुर एवं उदयपुर को ऊर्जीकृत।

निर्माणाधीन परियोजनाओं की जानकारी

प्रदेश की पारेषण प्रणाली को उन्नत बनाने की दिशा में सतत् कार्य जारी है। जिसमें 220 केव्ही उपकेन्द्र पाटन की निविदा जारी कर दी गई है एवं आगामी वर्षों में पूर्ण करने का लक्ष्य है। इसी तरह 132 केव्ही के 06 उपकेन्द्रों यथा खरमोरा, सिलतरा फेस-II, इंदामारा, इंदागांव, खैरागढ़ एवं माठखरोरा का कार्य प्रगति पर है एवं इन्हें आगामी वर्षों में पूर्ण करने का लक्ष्य है।

02 नग उपकेन्द्रों यथा एल.आई.ए. छावनी एवं अम्लेश्वर में 132 केव्ही उपकेन्द्र निर्माण हेतु कार्यादेश जारी किये जा चुके है तथा बैजलपुर में 132 केव्ही उपकेन्द्र के निर्माण हेतु निविदा जारी कर दी गई है। इन कार्यों को आगामी वर्षों में पूर्ण करने का लक्ष्य है।

क्रियाशील अन्य योजनाएं

- 03 नग 220 के.व्ही. उपकेन्द्रों (यथा सेमरिया, दलदलसिवनी, अहिवारा), 05 नग 132 के.व्ही. उकेन्द्रों (यथा मस्तुरी, बलौदा, बेतर, टेमरी, गुल्लू (आरंग)) तथा 01 नग 400 के.व्ही. उपकेन्द्र बिलासपुर के लिए प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है।
- शेष बचे 09 उपकेन्द्रों यथा 400 के.व्ही. अंबिकापुर, 220 के.व्ही. राजिम, कांकेर, धरमजयगढ़, गुमा/बाना/कारा तथा 132 केव्ही उपकेन्द्र सरोरा, केशकाल, मेटल पार्क, हांफा (उस्लापुर) के लिए भूमि का चयन/आबंटन प्रक्रियाधीन है।

पॉवर कंपनी के ईडी श्री गुप्ता, सीई श्री सेन की भावभीनी विदाई

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज से सेवानिवृत्त कार्यपालक निदेशक श्री प्रमोद कुमार गुप्ता एवं मुख्य अभियंता श्री रजत शुभ्र सेन की सेवानिवृत्ति पर विद्युत सेवाभवन में भावभीनी विदाई दी गई।

विदाई कार्यक्रम में पॉवर कम्पनीज के चेयरमेन श्री अंकित आनंद ने वरिष्ठ अभियंताओं को प्रतीकात्मक भेंट, प्रशिस्त पत्र प्रदान किया। साथ ही सेवानिवृत्त अभियंताओं की दीर्घकालीन सेवाओं को विद्युत विकास के लिए बहुमूल्य बताया। ईडी श्री गुप्ता की सेवानिवृत्ति उपरांत छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग में सदस्य के पद पर हुई। नियुक्ति के लिए भी उच्चाधिकारियों ने उन्हें बधाई दी।

इसी क्रम में कंपनीज के प्रबंध निदेशक सर्वश्री एन.के.बिजौरा, राजेश वर्मा, हर्ष गौतम, श्रीमती उज्ज्वला बघेल, श्री एस.डी. तेलंग ने मंगलकामनाओं की अभिव्यक्ति दी। उन्होंने छत्तीसगढ़ की विद्युत अधोसंरचना को मजबूत बनाने के लिए श्री गुप्ता एवं श्री सेन की भूमिका को सराहनीय निपरूपित किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुएअतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसम्पर्क) श्री विजय मिश्रा ने सेवानिवृत्त हो रहे अभियंताओं के जीवन परिचय पर प्रकाश डाला।

ग्रामीण वनांचलों को सेवानिवृत्त अभियंताओं ने अंधियारे से दी आजादी

बस्तर में माओवादियों ने विस्फोटक सामग्रियों से 220 के.व्ही. लाईन को 2006 में ध्वस्त कर दिया था जिससे लगभग बारह दिनों तक ब्लेक आउट की स्थिति बस्तर में थी जिसका निदान कार्य में ईडी श्री गुप्ता की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इसी तरह प्रदेश के अनेक उपकेन्द्रों हेतु भूअर्जन, निर्माण एवं ऊर्जीकरण कार्य में श्री सेन का विशेष योगदान रहा है।

पॉवर कंपनी के एडीओ श्री नायडू की भावभीनी विदाई

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर होल्डिंग कंपनी के मानव संसाधन विभाग से सेवानिवृत्त हुए प्रशासनिक अधिकारी श्री सी.पी.आर. नायडू को कंपनी मुख्यालय में भावभीनी विदाई दी गई। पॉवर होल्डिंग कंपनी के महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री जी.एल.चन्द्रा ने उन्हें शॉल, श्रीफल, प्रशस्ति पत्र प्रदान कर शुभकामनायें दी।

इस अवसर पर श्री चन्द्रा ने कहा कि मानव संसाधन विभाग के कर्मियों के कुशल कार्यों से प्रबंधन में मजबूती आती है। मानव संसाधन विभाग विषयक कार्यों में चार दशक से अधिक की बहुमूल्य सेवायें सेवानिवृत्त हो रहे एडीओ श्री नायडू ने दी। इसी क्रम में अतिरिक्त महाप्रबंधक श्री पी. पाण्डेय ने कहा कि वरिष्ठ अधिकारी विशालकाय वृक्ष की तरह हैं, जिनके ज्ञानरूपी बीज नई पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होते हैं।

विदाई कार्यक्रम में उपमहाप्रबंधक डॉ. अल्पना शरत तिवारी, श्री आर.एस. डहरिया, श्री जी. खण्डेलवाल, श्री अतुल तिवारी, श्री पंकज सिंह, श्रीमती पल्लवी मरकाम, श्री अब्राहम वर्गीस, श्री रामेश्वर नागतोड़े एवं श्री नंदकिशोर साहू ने सेवानिवृत्त श्री नायडू जी का स्वागत कर मंगलकामनाओं की अभिव्यक्ति दी। विदाई कार्यक्रम का संचालन प्रकाशन अधिकारी श्री विकास शर्मा एवं श्रीमती अनामिका नेताम ने रोचक शैली में किया।

पॉवर कंपनी के एजीएम श्री मिश्रा की सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर होल्डिंग कंपनी के अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसम्पर्क) श्री विजय मिश्रा की सेवानिवृत्ति पर कंपनी मुख्यालय विद्युत सेवाभवन में भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में पॉवर कम्पनीज के चेयरमेन श्री अंकित आनंद ने श्री मिश्रा को सम्मानित करते हुए उनकी उत्कृष्ट कार्यशैली-मधुर वाणी की सराहना की एवं उन्हें पॉवर कंपनी सहित प्रदेश की अमूल्य धरोहर निरूपित किया। उन्होंने कहा कि जनसम्पर्क संबंधी कार्यों के दीर्घ अनुभवी श्री मिश्रा की सेवानिवृत्ति पॉवर कंपनी के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

इसी क्रम में पॉवर कंपनीज के प्रबंध निदेशक सर्वश्री एन.के.बिजौरा, राजेश वर्मा, हर्ष गौतम, श्रीमती उज्ज्वला बघेल, श्री एस.डी. तेलंग ने सेवानिवृत्त हुए अतिरिक्त महाप्रबंधक श्री मिश्रा का स्वागत कर मंगलकामनाओं की अभिव्यक्ति दी। उन्होंने कहा कंपनी की योजनाओं-उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने में उनकी 32 वर्षीय सेवायात्रा बहुमूल्य है। विदा लेते श्री मिश्रा ने अधिकारियों/कर्मचारियों से मिले सहयोग के लिये आभार व्यक्त किया। विदाई कार्यक्रम का संचालन प्रकाशन अधिकारी श्री विकास शर्मा/श्रीमती अनामिका मण्डावी ने किया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र में पौधरोपण

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह में विश्व पर्यावरण दिवस पर फलदार एवं छायादार पौधे रोपे गए। मुख्य अभियंता एचएन कोसरिया ने कहा कि हमारी धरती में पारिस्थितिक तंत्र बुरी तरह प्रभावित है। केवल स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र या इकोसिस्टम ही जीव-जंतुओं एवं मनुष्यों के जीवनयापन की संभावनाओं को कायम रख सकता है।

आवासीय कॉलोनी स्थित इरेक्टर हॉस्टल परिसर में मुख्य अभियंता एचएन कोसरिया ने बादाम का पौधा लगाया। उनके साथ ही अतिरिक्त मुख्य अभियंता रजनीश जांगड़े, आलोक लकरा, रामजी सिंह, अब्दुल समद, वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ आरके तिवारी एवं अधीक्षण अभियंता संजय तिवारी द्वारा भी पौधे रोपित किए गए। सहा. प्रबंधक (पर्यावरण) संजय झा ने बताया कि अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह हरित क्षेत्र में हैं। विद्युत गृह ने बड़ी संख्या में पौधे लगाकर आसपास को हरियाली से आच्छादित कर दिया है।

पौधरोपण का संयोजन सहा. प्रबंधक (पर्यावरण) संजय झा द्वारा किया गया। पौधरोपण में सहयोग सिविल विभाग की टीम द्वारा की गई। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता श्री केवीआर गिरीश, कार्यपालन अभियंता श्री एसआर विश्वकर्मा, अमरलोक श्रीवास्तव, चिंतामणी तिवारी, प्रकाशन अधिकारी श्री बसंत शाहजीत, सहायक अभियंता सुश्री वंदना ठाकुर, श्री बलराम यादव, सुश्री दीपाली गुप्ता और कनिष्ठ अभियंता सुश्री दिप्ती नेताम उपस्थित थे।

मुख्य अभियंता श्री राम अवतार पाठक

छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण से लेकर अब तक राजधानी रायपुर की विद्युत व्यवस्था को सुचारू बनाये रखने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते हुए मुख्य अभियंता के पद पर रायपुर शहर क्षेत्र में पदस्थ श्री रामअवतार पाठक का जन्म 05 जुलाई 1963 को ग्वालियर (म.प्र.) में हुआ।

जीवन यात्रा में अनवरत् आगे बढ़ने की प्रेरणा आपको अपनी माता स्व. श्रीमती राजा बेटी एवं पिता स्व. श्री ब्रजभूषण पाठक सहित चाचा श्री से मिली। आपने अपनी स्कूली शिक्षा वर्ष 1977 में मॉडल स्कूल रीवा से हायर सेकण्डरी की परीक्षा उत्तीर्ण कर पूरी की। आगे वर्ष 1982 में बी.ई. (इलेक्ट्रीकल) की उपाधि माधव इंस्टीट्यूट आफ टेक्नालॉजी एण्ड साईंस ग्वालियर से प्राप्त की।

विद्या अध्ययन की पूर्णता के उपरांत परिजनों-गुरूजनों से मिले आशीर्वाद एवं मन में निहित आत्मविश्वास के बलबूते वर्ष 1984 में मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल शिवपुरी से स्नातक प्रशिक्षु के पद से आपकी सेवायात्रा आरंभ हुई। आगे 1985 में सहायक अभियंता के पद पर आपकी नियमित नियुक्ति हुई। इस पद पर आपने रायपुर, गुना, मुरैना, ग्वालियर, पत्थलगांव में अपनी सेवायें दी।

सेवायात्रा में आगे बढ़ते हुए वर्ष 2005 में कार्यपालन अभियंता, 2011 में अधीक्षण अभियंता के पद पर आपको पदोन्नति प्राप्त हुई। इन पदों पर आपने रायपुर, जांजगीर-चांपा एवं पॉवर वितरण कंपनी के मानव संसाधन विभाग रायपुर में अपनी कार्यकुशलता को प्रदर्शित किया। आपने नई टेक्नालाजी को समाहित करते हुए आत्मविश्वास के साथ निष्ठापूर्वक परिश्रम करने की कार्यशैली को सेवायात्रा में अपनाया।

पद के अनुरूप मिली जिम्मेदारियों का बेहतर निर्वहन करने की आपकी नीति का सुफल आपको वर्ष 2018 में अतिरिक्त मुख्य अभियंता तथा वर्ष 2021 में मुख्य अभियंता के शीर्ष पद पर पदोन्नति के रूप में प्राप्त हुआ। इन पदों पर आपने मुख्य अभियंता (राजस्व) एवं रायपुर शहर क्षेत्र में सफलतापूर्वक सेवायें दीं।

लगभग 37 वर्षों की सेवायात्रा में आपने मध्यप्रदेश तथा छत्तीसगढ़ की विद्युत व्यवस्था को बेहतर बनाने में योगदान दिया है। वर्तमान में रायपुर (शहर क्षेत्र) के मुख्य अभियंता के दायित्वों का कुशलतापूर्वक निष्पादन कर रहे हैं। आपकी अभिरूचि बैडमिन्टन एवं क्रिकेट के साथ साथ नई प्रोद्योगिकी ज्ञानवर्धन में है। पॉवर कंपनी की खेल एवं कला गतिविधियों के कुशल संचालन हेतु गठित केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद में भी आपने सचिव (कार्यालय) के पद पर भी अपनी सफल सेवाएं दी है।

डी.एस.पी.एम. ताप विद्युत गृह से अधिकारी, कर्मचारी सेवानिवृत्त

डी.एस.पी.एम. ताप विद्युत गृह से सेवानिवृतजनों सर्वश्री झाड़ूराम साहू, श्रीमती लखनी साहू निज सहायक, आलोक गुहा अंजय, दुर्गा प्रसाद जायसवाल, रामलाल उरांव, केशव दास,एम व्ही राव, राधेश्याम कटकवार को स्मृति चिन्ह, घड़ी एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित कर भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर श्री के.एस. कुजूर अधीक्षण अभियंता ने कहा कि आप सभी कार्य के प्रति सदैव सजग एवं निष्ठावान रहे हैं एवं अपने समय के अनुभवी अधिकारी रहे हैं। मानव संसाधन विभाग से संबंधित कार्यों में आपका सराहनीय योगदान रहा है जो कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस अवसर पर अति.मुख्य अभियंता, श्रीमती राजेश्वरी रावत ने श्रीमती साहू एवं श्री गुहा जी के लिए शुभकामनाएं प्रेषित करते हुये उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में कार्यपालन अभियंता श्री सी.एस.गुर्जर, प्रशासनिक अधिकारी श्री दिलेश्वर सिंह, विधि अधिकारी प्रीति पालीवाल सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन श्रीमती मीरा कनेर कार्यालय सहायक श्रेणी-तीन के द्वारा किया गया।

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी की उपलब्धियां

छत्तीसगढ़ की आर्थिक एवं सामाजिक प्रगति को सुनिश्चित करने के लिए राज्य में विद्युत की पर्याप्त उपलब्धता एवं विद्युत प्रणाली की सुदृढ़ अधोसंरचना होना अति आवश्यक है। इसे दृष्टिगत रखते हुए छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्टीब्यूशन कंपनी द्वारा शासन के नीतिगत निर्णय के अनुरूप छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल/कंपनियां कदम से कदम मिलाकर आज छत्तीसगढ़ को देश का प्रथम "बिना पावर कट प्रदेश" बनाया है।

जनगणना 2011 के अनुसार वर्तमान में राज्य के सभी 19,567 ग्राम को विद्युतीकृत किया जा चुका है। प्रदेश में सुदृढ़ अधोसंरचना, अनुभवी श्रम शक्ति एवं कुशल प्रबंधन के कारण राज्य के विद्युत उपभोक्ताओं को कम से कम दरों पर गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति करने में सफलता मिली है।

हाफ बिजली बिल स्कीम

राज्य शासन द्वारा राज्य के सभी घरेलू उपभोक्ताओं को 01 मार्च 2019 से हाफ बिजली बिल योजना लागू की गई है। इसके अंतर्गत घरेलू उपभोक्ताओं को प्रतिमाह खपत की गई 400 यूनिट तक की बिजली पर प्रभावशील विद्युत की दरों के आधार पर आधे बिल की राशि की छूट दी जा रही है। इससे पहले उपभोक्ताओं को प्रति यूनिट 4.50 रुपए देने पड़ते थे वर्तमान में 400 यूनिट बिजली खपत पर प्रति यूनिट 2.30 रुपए देय है। इस योजना के तहत राज्य के समस्त बी.पी.एल. एवं अन्य घरेलू श्रेणी के उपभोक्ता लाभान्वित हो रहे हैं। योजना प्रारंभ से माह मार्च-2021 तक राज्य के लगभग 39,63,620 उपभोक्ताओं को 1481.89 करोड़ रुपए की रियायत प्रदान की गई है।

इस्पात उद्योगों को राहत

राज्य शासन द्वारा इस्पात उद्योगों को मंदी से उबरने हेतु ऊर्जा प्रभार में राहत देने के लिए माह अप्रैल 2019 से अधिसूचित टैरिफ में ऊर्जा प्रभार पर 0.80 प्रति यूनिट की रियायत प्रदान की गई है। जिसके तहत् वर्ष 2019-20 में बिल माह मार्च 2020 तक लगभग 413 उपभोक्ताओं को 418 करोड़ रुपए की रियायत दी जा चुकी है।

गरीब परिवारों को निःशुल्क बिजली

गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवार अर्थात् बीपीएल कनेक्शनधारियों को प्रत्येक माह 30 यूनिट तक निःशुल्क विद्युत प्रदाय किया जाता है। जिसकी प्रतिपूर्ति राज्य शासन द्वारा किया जाता है। वर्तमान में लगभग 18 लाख बीपीएल कनेक्शनधारियों को इस योजना का लाभ मिल रहा है।

मोर बिजली एंड्रॉइड मोबाइल ऐप

छत्तीसगढ़ राज्य के बिजली उपभोक्ताओं के लिए मोर बिजली एनड्राइड मोबाइल ऐप सुविधा प्रारंभ की है। यह मोबाइल ऐप "मोर बिजली ऐप" के नाम से गूगल प्ले-स्टोर पर निःशुल्क उपलब्ध है, जिसे "CSPDCL MOR BIJLEE" या "मोर बिजली" लिखकर सर्च करके इंस्टॉल किया जा सकता है।

वर्तमान में राज्य के लगभग 59.03 लाख बिजली उपभोक्ता इस एप के माध्यम से विद्युत देयक भुगतान, देयक संबंधी एवं अन्य प्रकार की बिजली शिकायतों का निराकरण कर रहे हैं। ऑन लाईन नया कनेक्शन, विद्युतभार घटाने-बढ़ाने संबंधी, घरेलू बिल की आसानी से गणना, टैरिफ की जानकारी, दो वर्षों तक बिजली बिल भुगतान की जानकारी, एवं अपने विद्युत मीटर की मीटर रीडिंग, विद्युत लाईन टूटने ट्रांसफार्मर में आई खराबी की शिकायत, जैसे आपातकालिक सूचना अब मोबाईल से फोटो खींचकर संबंधितों को भेज सकता है।

केन्द्रीकृत कॉल सेन्टर

रायपुर शहर में एक अत्याधुनिक एवं उच्च तकनीक युक्त 30 लाईन वाला टोल फ्री टेलीफोन नंबर 1912 केन्द्रीकृत कॉल सेंटर की स्थापना की गई है जिसके अंतर्गत विद्युत उपभोक्ता विद्युत संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत टेलीफोन, मोबाईल, ऑनलाईन अथवा ई-मेल के माध्यम से दर्ज करा सकते हैं एवं पूर्व में दर्ज करायी गई शिकायत की स्थिति जान सकते हैं। शिकायत के पंजीकरण के समय एवं निराकरण के बाद उपभोक्ता को उनके रजिस्टर्ड मोबाईल पर एस.एम.एस. द्वारा सूचना दी जाती है। इसके अतिरिक्त छत्तीसगढ़ स्टेट पांवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड की वेबसाईट www.cspdcl.co.in के माध्यम से उपभोक्ता पिछले 24 माह बिजली बिल एवं उनके भुगतान की जानकारी, नये कनेक्शन हेतु आवेदन एवं बिजली बंद होने संबंधी शिकायत भी दर्ज करा सकते हैं।

उपभोक्ताओं को उनके पंजीकृत मोबाईल नम्बर एवं ई-मेल पर विद्युत बिल, भुगतान संबंधी सूचना भी प्रदान की जाती है। उपभोक्ता अपने विद्युत देयक का भुगतान इस वेबसाईट के माध्यम से डेबिट/क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिग (44 अधिकृत बैंक) द्वारा कर सकते हैं। विद्युत उपभोक्ताओं को विद्युत देयकों के भुगतान हेतु प्रदेश में 133 ए.टी.पी. मशीन स्थापित की गई है। इसके अतिरिक्त विद्युत बिलों का भुगतान "पे प्वाईंट(1700) की सुविधा" और "कॉमन सर्विस सेन्टर (9100)" के माध्यम से करने की सुविधा भी दी गई है। वर्तमान में प्रदेश के सभी उच्चदाब एवं निम्नदाब उपभोक्ताओं को आनलाईन आवेदन करने की सुविधा, नये कनेक्शन प्राप्त करने हेतु प्रदान की गई है।

किसानों को दी जा रही सुविधाएं

प्रदेश के किसानों की समृद्धि के लिए विद्युत क्रांति संग हरित क्रांति लाने विशेष ध्यान केन्द्रित किया गया है। शासन द्वारा कृषि पंप

ऊर्जीकरण योजना के अंतर्गत विद्युत लाईनों के विस्तार हेतु प्रति पम्प एक लाख अनुदान राशि उपलब्ध कराई जा रही है। वर्तमान में स्थायी एवं अस्थायी पंप कनेक्शन के लगभग 5 लाख 80 हजार से अधिक ऊर्जीकृत कृषि पम्प हैं।

राज्य शासन द्वारा कृषकों को वित्तीय राहत प्रदाय किये जाने के उद्देश्य से कृषक जीवन ज्योति योजना 2 अक्टूबर 2009 से लागू की गई है। इस योजना के अंतर्गत पात्र कृषकों को 3 अश्वशक्ति तक कृषि पम्प के बिजली बिल में 6000 यूनिट प्रतिवर्ष एवं 3 से 5 अश्वशक्ति के कृषि पम्प के बिजली बिल में 7500 यूनिट प्रति वर्ष छूट दी जा रही है। उपरोक्त छूट के अतिरिक्त कृषकों को फ्लैट रेट दर पर बिजली प्राप्त करने का विकल्प भी दिया गया है। शासन द्वारा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के किसानों के लिए विद्युत खपत की कोई सीमा नहीं रखी गई है। उनके द्वारा खेती में उपयोग की जा रही पूरी बिजली को निःशुल्क रखा गया है।

वितरण कंपनी की अधोसंरचना विकास

प्रदेश की विद्युत अधोसंरचना को सुदृढ़ बनाने हेतु विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रस्तावित 316 नग में से 312 नग 33/11 के.व्ही. नये उपकेन्द्र का निर्माण किया गया है, ढाई वर्षों में कुल 102 नग 33/11 के.व्ही. नये उपकेन्द्र का निर्माण किया गया है, शेष 04 नग में फॉरेस्ट क्लीयरेंस की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना विकास योजना

उत्पादित बिजली को विद्युत उपभोक्ताओं तक निर्बाध गति एवं गुणवत्तापूर्ण पहुंचाने हेतु विद्युत अधोसंरचना की भूमिका को देखते हुए राज्य शासन द्वारा मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना विकास योजना प्रारंभ की गई है जिसके अंतर्गत प्रदेश के आवश्यकतानुरूप नये 33/11 के.व्ही के स्थापना के साथ-साथ 33 केव्ही एवं 11 के.व्ही लाईन आदि के निर्माण कार्य किये जावेंगे। इस हेतु राज्य शासन के बजट में वर्ष 2021-22 हेतु 25 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इस योजना के अंतर्गत अन्य कार्यों के साथ 24 नये 33/11 के.ही उपकेन्द्र निर्माण किया जाना प्रस्तावित है।

मुख्यमंत्री शहरी विद्युतीकरण योजना

मुख्यमंत्री शहरी विद्युतीकरण योजना के तहत प्रदेश के 14 नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत विद्युत विहीन क्षेत्रों में विद्युत लाइनों का विस्तार, विद्यमान अव्यवस्थित विद्युत लाईनों को पहुंच मार्गों के अनुरुप व्यवस्थित करना एवं वितरण ट्रांसफार्मरों को सुरक्षा की दृष्टि से सुरक्षित/उपयुक्त स्थान पर शिफ्ट करना, तंग गलियों एवं व्यस्ततम मार्गों में सुरक्षा की दृष्टि से ओवर हेड अथवा अंडरग्राउंड केबलों का इस्तेमाल किया जाना, अधिक लाईन लॉस वाले क्षेत्रों में ए.बी. केबल लगाया जाना एवं गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन कर रहे सभी परिवार को निःशुल्क बीपीएल कनेक्शन उपलब्ध कराना आदि शामिल है। इस योजना के तहत् 02 वर्षों में राशि 59 करोड़ रुपए व्यय किया जाकर 1,288 नग कार्य संपादित किये गये हैं।

मुख्यमंत्री मजरा-टोला विद्युतीकरण योजना

इस योजनान्तर्गत ऐसे आंशिक रूप से विद्युतीकृत ग्रामों के मजरे-टोले/बसाहटों का विद्युतीकरण किया जा रहा है जो राज्य में चल रही किसी अन्य योजना यथा राजीवगांधी ग्रामीण विद्यतीकरण, दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना में शामिल नहीं है। इस योजना के तहत् ढ़ाई वर्षों में लगभग राशि 168 करोड़ रुपए व्यय किया जाकर 3390 नग कार्य संपादित किये गये है।

हमारे गौरव

आयुष तिवारी ने रचा कैट में सर्वाधिक अंक अर्जित करने का कीर्तिमान

कॉमन एडमिशन टेस्ट (कैट) 2020 में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्टीब्यूशन कंपनी के कार्यपालन अभियंता श्री विनोद कुमार तिवारी के प्रतिभाशाली सुपुत्र आयुष तिवारी ने 99.99 प्रतिशत अर्जित कर छत्तीसगढ़ सहित पॉवर कंपनी परिवार का नाम गौरवान्वित किया। राजधानी रायपुर के एन.आई.टी. में मेकेनिकल इंजीनियर की पढ़ाई करते हुए आयुष ने प्रदेश के इतिहास में सबसे ज्यादा अंक अर्जित करने का कीर्तिमान दर्ज किया। अपनी सफलता का राज बताते हुए आयुष कहते हैं कि- सच्चे मन और लगन से की गई तैयारी सफलता सुनिश्चित करती है। श्रद्धेय शिक्षकों के साथ साथ पिता एवं माता श्रीमती ऊषा तिवारी का भी मेरी सफलता में महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

छात्र-छात्राओं की सफलता में अभिभावकों की भूमिका पर विचार व्यक्त करते हुए वे कहते हैं कि परीक्षा में कम अंक पाने पर निराशा से दूर रखते हुए और बेहतर कर सकने में अभिभावकों का प्रोत्साहन बहुत महत्वपूर्ण होता है। ऐसी घड़ी में मुझे प्रेरित करने, आत्मबल को मजबूत बनाने में मेरे माता-पिता और बड़ों ने सदैव मार्गदर्शन दिया।

कैट 2020 में देशभर से 2.20 लाख परीक्षार्थी शामिल हुए थे, जिनमें से 4000 चयनित परीक्षार्थियों को अहमदाबाद, बेंगलुरु, कोलकाता, लखनऊ, इंदौर, कोझीकाण्ड एवं शिलांग स्थित आई.आई.एम. में प्रवेश दिया जायेगा। आयुष का चयन भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद से पोस्ट ग्रेच्युट प्रोग्राम एण्ड मैनेजमेंट (पीजीपी 2021-2023 बैच) आई.आई.एम. के लिए हुआ है। बधाई...

दुर्ग क्षेत्रीय मुख्यालय में एस.ओ. श्री वर्मा की विदाई समारोह

दुर्ग के क्षेत्रीय मुख्यालय के अनुभाग अधिकारी श्री पूनाराम वर्मा की सेवानिवृत्ति पर कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल सहित कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने एक सादे समारोह में उन्हें शुभकामनाओं सहित भावभीनी विदाई दी। कार्यक्रम में, अधीक्षण अभियंता श्री तरुण ठाकुर, कार्यपालन अभियंता श्रीमती सनीली चौहान द्वारा श्री वर्मा को उपहार प्रदान कर शुभकामनायें दी गई।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल ने कहा कि अपने 38 वर्षों की सेवा अवधि में श्री वर्मा ने अपने कार्यों के प्रति सराहनीय सजगता दिखाई।

इस अवसर पर निज सचिव श्री सुधीर ताम्रकर एवं श्री एन.ए.कुरैशी, विधि अधिकारी रश्मि शर्मा, प्रकाशन अधिकारी श्रीमती माया चन्द्राकर, निज सहायक श्री बी.एस.राजपूत एवं श्रीमती रमणी राजेन्द्रन, अनुभाग अधिकारी श्री ए.के.गंजीर, कार्यालय सहायक श्री पी.के.रुसिया, श्रीमती लिसी बी.जार्ज, श्री इम्तियाज खान, श्री पुनेन्द्र पटेल, श्री दीपक पसीने, भृत्य श्री टीकम रावटे, श्रीमती देहुती देवांगन सहित अन्य उपस्थित हुए।

उप-महाप्रबंधक श्री व्यास की भावभीनी विदाई

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी कोरबा में पदस्थ उपमहाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) श्री एस.के. व्यास अपनी 41 वर्षों की सेवायात्रा को सफलतापूर्वक पूर्ण कर 31 मई 21 को सेवानिवृत्त हुए। वर्ष 1980 में कार्यालय सहायक श्रेणी-3 के पद पर आपने अपनी सेवायात्रा को आरंभ किया।

जीवन में आगे बढ़ने की दृढ़ इच्छाशक्ति के बूते कंपनी में सेवाकाल के दौरान ही आपने एम.बी.ए. वित्त की उपाधि प्राप्त की। कार्यक्षेत्र में लगनशीलता और मेहनत के बूते आपको उप महाप्रबंधक जैसे उच्च पद पर पदोन्नति के रूप में सुफल मिला। बैडमिन्टन, लॉन टेनिस में भी अपनी उत्कृष्टता को प्रदर्शित करते हुए अनेक स्पर्धाओं में विजेता होने का गौरव आपने प्राप्त किया। आपकी अभिरूचि चित्रकारी में भी है।

राजनांदगांव क्षेत्रीय मुख्यालय में विदाई समारोह

राजनांदगांव क्षेत्रीय मुख्यालय में पदस्थ कार्यपालन अभियंता श्री वी.आर.के. मूर्ति के सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अभियंता श्री टी.के.मेश्राम ने उन्हें प्रतीकात्मक भेंट, प्रशस्ति पत्र प्रदान कर शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि 42 वर्षों की सेवायात्रा में श्री मूर्ति का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। इनके अथक प्रयासों से राजनांदगांव संभाग को बेहतर राजस्व प्रबंधन के लिए प्रदेश स्तर पर प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर विदा लेते श्री मूर्ति ने सेवायात्रा में सहकर्मियों से मिले सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इसी क्रम में अधीक्षण अभियंता श्री एस.के.खरे, रंजीत घोष, एस.गुर्जर, गीता ठाकुर, के.के. देवांगन, पूजा ग्वालवंशी, एन.के.शुक्ला, एस.के.मरठा, सरस्वती अययर, अनिल मिंज, एस.के.बक्षी, प्रकाश सोनटापर, डी.दिलेश्वर राव ने भी शुभकामनाएं दी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर हसदेव ताप विद्युत संयंत्र में पौधरोपण

हसदेव ताप विद्युत गृह (एचटीपीएस) में विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक आरके श्रीवास ने कहा कि पर्यावरण लगातार प्रदूषित हो रहा है। पर्यावरण प्रदूषण सभी के लिए चिंता का विषय है। इससे निजात पाने बरसात में ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाकर अपने आसपास को हरा-भरा बनाएं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर 500 मेगावाट विस्तार परियोजना के केमिकल हाउस परिसर में कार्यपालक निदेशक श्री श्रीवास सहित मुख्य अभियंता (सिविल-ऐश यूटिलाइजेशन एंड पॉल्यूशन कंट्रोल) आरके टिकरिहा, अतिरिक्त मुख्य अभियंता सुनील कुमार नायक, पंकज कोले, संदीप श्रीवास्तव, संजय शर्मा, बी.पी.पाटले, के.के. डोंगरे, केसी अग्रवाल और वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ एके कुरनाल द्वारा पौधे लगाए गए।

पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाने के लिए विविध कार्यक्रम ऑनलाइन कराए गए। कार्यक्रम का संयोजन मुख्य रसायनज्ञ जेआर वर्मा एवं अधीक्षण अभियंता एके नेमा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सहयोग सहायक प्रबंधक (पर्यावरण) विकास उइके, वरिष्ठ रसायनज्ञ वीसी बघेल, सुधीर मिश्रा समेत केमिकल विंग एवं सिविल विभाग की टीम द्वारा की गई। इस अवसर पर मुख्य रसायनज्ञ महेंद्र प्रसाद और देवेश दुबे उपस्थित रहे।

अनुभाग अधिकारी श्री हबीब उल्ला खान की भावभीनी विदाई

मुख्य अभियंता (संचा./संधा.) कार्यालय रायपुर से 30 जून 2021 को सेवानिवृत्त हुए अनुभाग अधिकारी श्री हबीब उल्ला खान को मुख्य अभियंता श्री एम. जामुलकर द्वारा शाल श्रीफल एवं मोमेन्टो भेंट कर भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अभियंता श्री जामुलकर ने श्री हबीब उल्ला खान की सेवाओं की प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा उनकी सेवाओं को अन्य अधिकारियों के लिए अनुकरणीय बताया। इस अवसर पर श्री एम.जामुलकर, श्री एस.आर.बी. खण्डेलवाल, श्री इन्द्रकुमार साहू, श्रीमती अनुसूइया ठाकुर एवं श्री एम.एल पाल द्वारा सुन्दर गीतो की प्रस्तुति दी गई।

कार्यक्रम में श्री एम.डी. बड़गैया अधीक्षण अभियंता एवं श्री आर.के प्रसाद, कार्यपालन अभियंता ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में कार्यालय के समस्त अधिकारी/कर्मचारी सहित सेवानिवृत्त अनुभाग अधिकारी के परिजन भी उपस्थित थे। इस अवसर पर अति.मुख्य अभियंता श्री के.एस.भारती, अधीक्षण अभियंता गण सर्वश्री एस.सेलट, श्री ए.के. भट्टाचार्य, श्री व्ही.के. शर्मा, श्री पी. श्रीनिवास राजू द्वारा संयुक्त रूप से सेवा प्रमाण-पत्र, घड़ी तथा उपहार प्रदान कर सेवानिवृत्त कर्मचारी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री इन्द्रकुमार साहू द्वारा किया गया।

हसदेव ताप विद्युत गृह से सेवानिवृतजनों की भावभीनी विदाई

हसदेव ताप विद्युत गृह से माह अप्रैल एवं मई 2021 में सेवानिवृत्त हुए अधिकारी-कर्मचारी सर्वश्री रमेश कुमार साहू, मिहिर कुमार राय, बीर बहादुर राठौर, जवाहर लाल शर्मा, सौखी लाल चंद्रा, गणेश राम मंडावी, नीरा बाई, संतोष कुमार व्यास, रमेश कुमार श्रीवास, धीरनराम, शंकर प्रसाद राठौर, टिकम प्रसाद दुबे, ज्वाला प्रसाद, कामता प्रसाद राठौर, शैमुएल नंद, चंद्रिका प्रसाद यादव, कैलाश कराडे, शिव जीवन कौशिक और पतरस मसीह को पावर कंपनी की ओर से भावभीनी विदाई दी गई। कोरोना काल के मुश्किल घड़ी में कार्यपालक निदेशक श्री आरके श्रीवास द्वारा अपने कार्यालय कक्ष में कोविड 19 के दिशानिर्देशों एवं सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखते हुए सेवानिवृतजनों में शामिल अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री बीडी बघेल, सुनील नायक, पंकज कोले, संदीप श्रीवास्तव, बीके भगत एवं राजू लहरी को स्मृति चिह्न व प्रशस्ति प्रमाण-पत्र भेंट किया। मुख्य अभियंता श्री आरके श्रीवास ने सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों के दीर्घ एवं समर्पित सेवाकाल को पॉवर कंपनी के हित में बताते हुए उनके उज्ज्वल व सुखमय जीवन की शुभकामनाएं दी।

रीत एक ऐसी बनाएं घर-घर में बिजली बचायें

जब भी जीवन के किसी पहलू में संरक्षण की बात उठती है तो यह तय है कि उस वस्तु/विषय का अस्तित्व खतरे में है। इसे ऐसे भी कह सकते है कि संरक्षण का मूल अर्थ बचाना है। चाहे किसी एक व्यक्ति, समूह, परिस्थिति, उपयोग, आदतों के द्वारा संरक्षण की प्रक्रिया अपनाई गई हो। भारत देश में जल, जंगल, जमीन, वायु, ध्वनि जैसे कई क्षेत्र है जहां कि संरक्षण की नितान्त आवश्यकता है। सरकार भी ऐसे विषयों पर कड़ाई से नियम बना रही है ताकि इन जीवनोपयोगी क्षेत्रों को प्रदूषित होने से बचाया जा सके।

बिजली, कोयला, पेट्रोल जैसे ऊर्जा उत्पादक वस्तुओं को बचाने के लिए ऊर्जा संरक्षण पर विशेष ध्यान केन्द्रित किया गया है। विश्व स्तरीय ऊर्जा संकट ने समूची मानव जाति को झकझोर दिया है। बढ़ती जरूरतों और घटते संसाधन चिंता का विषय बने हुए हैं। भारत सरकार ने ऊर्जा की खपत को कम करने के लिए विशेष प्रयास किये। इसी क्रम में 14 दिसम्बर 1991 को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के रूप में घोषित किया गया। पिछले कुछ वर्षो से सरकार द्वारा ऊर्जा का कुशल उपयोग और संरक्षण करने वाली विभिन्न औद्योगिक इकाइयों / प्रतिष्ठानों /संगठनों के प्रयासों को मान्यता देने के लिए" राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार भी दिया जा रहा है।

यह पहल राष्ट्रीय स्तर पर किया जा रहा है अपितु व्यक्तिगत रूप से मानवीय स्तर हर व्यक्ति को संरक्षण के प्रति जागरूक होना चाहिये। हमारी संस्कृति में कहावत है "बूंद बूंद से घड़ा भरता है" उसी प्रकार हर व्यक्ति का प्रयास निश्चित रूप से बड़ा योगदान का रूप ले लेता है। लकड़ी एवं कोयले के घरेलू उपयोग पर रोक लगाने की आवश्यकता है। खाना पकाने के लिए हानि एवं धुए रहित सोलर कुकरों का प्रयोग करना चहिए। उसी प्रकार एक बडी संख्या में विद्युत ऊर्जा का समुचित उपयोग समस्त मानव जाति के कल्याण कार्य में आयेगा।

विद्युत के उत्पादन हेतु कोयले का उत्खनन प्रकृतिक संसाधनों का दोहन है। इसके संरक्षण हेतु गैर परंपरागत ऊर्जा स्त्रोतों के अधिक उपयोग पर बल देना चाहिए। विद्युत, कोयला एवं लकड़ी जैसे ऊर्जा के प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण हेतु सौर ऊर्जा, बायो गैस, गोबर गैस इयादि के अधिकाधिक प्रयोग पर बल दिया जाना चाहिये। ऊर्जा संकट जैसी चुनौतीयों को समय रहते स्वीकारना होगा। विलम्ब करना हमारे लिए घातक सिद्व होगा।

श्रीमती सुनीता जोशी
अनुभाग अधिकारी
कार्या मुख्य अभियंता
(मा.स.) छग स्टेट पा जन
क रायपुर

आकृति महिला मंडल की नई कार्यकारिणी गठित

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह के आवासीय कॉलोनी लच्छनपुर की आकृति महिला मंडल (सीनियर क्लब) की वर्ष 2021-22 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन हो चुका है। इसमें अध्यक्ष श्रीमती शशि कोसरिया एवं उपाध्यक्ष श्रीमती सुनीता जांगड़े, श्रीमती अर्निका लकरा, श्रीमती लता कोसरे, श्रीमती नीना तिवारी, श्रीमती कमला सिंह व श्रीमती फिरोजा समद बनाई गईं हैं।

नवगठित कार्यकारिणी को मुख्य अभियंता श्री एचएन कोसरिया ने बधाई देते हुए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। इसके अलावा सचिव के पद पर श्रीमती शर्मिष्ठा सिन्हा, सह-सचिव श्रीमती प्रीति बंजारे, कोषाध्यक्ष श्रीमती शैला जार्ज, खेल सचिव श्रीमती श्वेता परपियानी, सांस्कृतिक सचिव श्रीमती गोल्डी नेताम चुनीं गईं हैं।

इस अवसर पर अध्यक्ष श्रीमती शशि कोसरिया ने कहा कि वे आवासीय कॉलोनी की महिलाओं के विकास के लिए लगातार काम करती रहेंगीं। साथ ही सामाजिक एकजुटता एवं समाजसेवा के लिए महिलाओं एवं बच्चों को प्रोत्साहित करती रहेंगीं। शपथ ग्रहण करने के बाद कोविड 19 के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए पिछले वर्ष की कार्यकारिणी द्वारा नई कार्यकारिणी के सदस्यों का बैच लगाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर श्रीमती अनामिका मिश्रा, श्रीमती प्रियंका गढ़पाले, श्रीमती छाया कक्कड़, श्रीमती पुष्पांजलि, श्रीमती रूचि देवांगन समेत महिला मंडल की सदस्याएं उपस्थित रहीं।

कोबिया उपकेंद्र मे 3.15 एम.व्ही.ए. का अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्म रिचार्ज

उपभोक्ताओं को पर्याप्त वोल्टेज के साथ सतत विद्युत सप्लाई देने हेतु छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रब्यूशन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र द्वारा विभागीय संभाग बेमेतरा के अंतर्गत स्थित 33/11 के.व्ही. विद्युत उपकेंद्र (सबस्टेशन) कोबिया में 3.15 एम.व्ही.ए. का एक अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर लगाया गया है, जिससे उपकेंद्र के अंतर्गत आनेवाले लगभग दो हजार उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत सुविधा मिलेगी।

दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल ने बताया कि उक्त कार्य मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना के अंतर्गत 53 लाख 66 हजार रुपए की लागत से किया गया है।श्री पटेल ने इसे क्षेत्र में सतत विद्युत आपूर्ति के लिए सराहनीय बताते हुए कहा कि वितरण केंद्र बेमेतरा शहर के अंतर्गत स्थित33/11 के.व्ही. सबस्टेशन कोबिया में अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर के लग जाने से ग्राम गुनर बोड़, बेमेतरा शहर के वार्ड क्रमांक 09 एवं 10, उपजेल, सर्किट हाउस, नया सिविल लाइन, अटल विहार कॉलोनी, एलान्स स्कूल एवं समृद्धि विहार कॉलोनी के लगभग दो हजार उपभोक्ता लाभान्वित होंगे।उन्होंने अधीक्षण अभियंता श्री ए.के.गौराहा कार्यपालन अभियंता द्वय श्री जे.जगन्नाथ प्रसाद एवं श्री उमेश ठाकुर, सहायक अभियंता श्री गुलाब साहू एवं उनकी पूरी टीम को बधाई दी।

कोरोना काल में दिवंगतजन के प्रति मौन श्रद्धांजलि

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर होल्डिंग कंपनी के जनसम्पर्क विभाग में कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर कोरोना काल में दिवंगतजन के प्रति मौन श्रद्धांजलि अर्पित की गई। दैनिक समाचार पत्र नई दुनिया द्वारा प्रदेशभर में सर्वधर्म प्रार्थना सभा आहूत करने की अपील के अंतर्गत 14 जून को डंगनिया स्थित जनसम्पर्क कार्यालय में कर्मियों ने अपनी सहभागिता देते हुए दो मिनट मौन धारण कर दिवंगतजनों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

श्रद्धांजलि सभा के उपरांत अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसम्पर्क) श्री विजय मिश्रा ने कहा कि सर्वधर्म का एक ही संदेश है मानव सेवा ही माधव सेवा है, अतः किसी भी कठिन समय में एक दूसरे का सहयोग बनाये हुए दुख को बांटने के लिए आगे आना चाहिये। कोरोना काल में फ्रंट लाईन वारियर्स ने ऐसी नीति का पालन करते हुए देश एवं प्रदेशवासियों के हित में कर्तव्य निवर्हन करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी है।

वर्तमान में कोरोना महामारी का दौर समाप्त नहीं हुआ है, ऐसे संकटकाल में जनहित में सेवा देने तत्पर फ्रंट लाईन वारियर्स, सामाजिक सेवकों के कार्य न केवल सराहनीय है, अपितु अनुकरणीय है। प्रार्थना सभा में सर्वश्री विकास शर्मा, अनामिका मण्डावी, जे.एम.कुरैशी, संजय टेम्भे, सारिका साहू, प्रसन्न कुमार दुबे, सूर्यभान पटेल, भावना रवानी आदि ने भागीदारी दी।

लाइनमेन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का उन्नयन - प्रशिक्षण अवधि पुनर्निर्धारण

छ.ग. स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के मैदानी कार्यालयों के लाइन कर्मचारियों हेतु आयोजित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में संशोधन एवं प्रशिक्षण अवधि को ढाई माह के स्थान पर 30 कार्यदिवस करने का निर्णय सक्षम अधिकारी के अनुमोदन उपरांत लिया गया है। लाइनमेन प्रशिक्षण की शेष नियम एवं शर्तें यथावत रहेंगी।

इस संबंध में मुख्य अभियंता श्री ए.के. तिर्की के हस्ताक्षर से परिपत्र क्र.- 02-06/प्रशिक्षण/38, रायपुर दिनांक 17 मई, 2021 जारी किया गया।

कोरोना काल में मास्क तैयार कर निःशुल्क वितरण

'मास्क ही वैक्सीन है' इस वाक्य का प्रभाव मेरे जीवन मे एक लक्ष्य दे गया 17 मार्च 2020 को मेरे पिताजी की तबियत खराब होने की वजह से सेक्टर 9 अस्पताल में भर्ती थे। बाबूजी की देखरेख में अस्पताल में रहने वाले परिजन की सुरक्षा हेतु हम 30 मास्क लेकर गए थे। एक सुखद संयोग रहा कि वहां के स्टाफ द्वारा आवश्यकता पड़ने पर मुझसे ही मास्क की मांग की गई। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के पसरते पांव पर बेड़ी कसने का सबसे कारगर उपाय मास्क लगाना ही है। उनकी यह बात मुझे प्रेरित कर गई। इसे जीवन का कर्तव्य मानकर जरूरतमंदों के लिए मास्क निर्माण और निःशुल्क वितरण कार्य में मैं अपने सहयोगियों के साथ जुट गई।

मार्च 2020 वैश्विक महामारी कोविड 19 की धमक हमारे देश, हमारे राज्य और फिर रायपुर में पहुच चुका था। मार्च 20 को कोरोना का रायपुर में प्रथम केस का मिलना और तुरंत लॉक डाउन का होना। इस बीच सर्वप्रथम मास्क का निर्माण कार्य मैंने शुरू किया। लाकडाउन के कारण न ही कपड़े मिल रहे थे न ही टेलर, तब विशेष अनुरोध करके वस्त्र भंडार से कोरवान धोती व ड्रेस मटेरियल की मांग कर आसपास की महिलाओं को काम देकर लगातार मास्क निर्माण कार्य आरंभ किया। तब से लेकर अब तक करीब तीन लाख से ज्यादा मास्क का निर्माण कर वितरित किया। इससे गरीब महिलाओं के घरों में चूल्हे जलने का अवसर मिला, साथ ही कोविड 19 के संक्रमण को रोकने में मदद मिली।

पॉवर कंपनी में सेवारत होने के कारण इस बात का अहसास था कि विद्युत उपकेन्द्रों, कार्यालयों में कार्यरत विद्युत कर्मियों सहित अति आवश्यक सेवाओं में संलग्न अन्य कर्मी जो कि शेल्टर होम, अनाथाश्रम, पढ़ई तुंहर द्वार, एटीएम के स्टाफ, सफाई कर्मचारी, पुलिस, सब्जी-दूध विक्रेता, घरेलू कामवाली बाईयों, मजदूरों को मास्क वितरित करने का कार्य किया गया। दुर्ग भिलाई बिलासपुर, जांजगीर जगदलपुर,कोरबा मलाजखंड, ग्रामीण क्षेत्र व कुछ गाँव जैसे कि जवई, जामगांव, मर्रा धमनी, राजिम, बीरगांव आसपास के एरिया में भी मास्क वितरण का कार्य किया गया।

कोरोनो महामारी के संकटकाल मे अपने अन्य सहयोगियों के साथ समाज के जरूरतमंद करीब 320 परिवारो को सम्पूर्ण राशन तेल साबुन सहित सामग्री व आर्थिक मदद भी पहुचाने में भी अपने सहयोगियों के साथ गिलहरी प्रयास कर हमने आत्मिक संतुष्टि को हृदय से महसूस किया। इस दिशा में अपनी जिम्मेदारी का भान करते हुए मुख्यमंत्री सहायता कोष में 51000/- की सहयोग राशि भी हमने प्रदान किया।

इस कार्य को करते समय लगा कि मानव सेवा ही माधव सेवा है। परोपकार की भावना को विकसित करके मानव जीवन की सार्थकता को बनाये हुए पीड़ितजनों का दुख दर्द भी दूर कर सकते हैं। हमने ठान लिया है कि संकट काल खत्म होते तक और उसके बाद भी जरूरतमंदों की सहायता करने में हम पीछे नहीं हटेंगे।

भारती किरण शर्मा
अनुभाग अधिकारी
नगर संभाग पश्चिम,
रायपुर

बिलासपुर क्षेत्र में सेवानिवृतजनों की भावभीनी विदाई

बिलासपुर क्षेत्र से मई 2021 में सेवानिवृत्त हुए सर्वश्री फेकूराम साहू ला.परि..श्रे.-एक, तिजऊ राम साहू ला.सहा.श्रेणी-दो, सुखी लाल सूर्यवंशी ला.परि.श्रे.-एक, नंदकुमार साहू ला.सहा.श्रेणी-दो, अनूजराम पटेल ला.परि..श्रे.-एक, चैत राम सूर्यवंशी ला.सहा.श्रे.-एक, रिषी कुमार तिवारी अनुभाग अधिकारी, मारूति राव सेलकरे प्रशासनिक अधिकारी-कर्मचारियों को भावभीनी विदाई दी गई। कार्यपालक निदेशक ने सेवानिवृत्त कर्मियों को स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की।

पॉवर कंपनी के सेन्ट्रल टेस्टिंग लैब को मिली राष्ट्रीय मान्यता

छत्तीसगढ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के सेन्ट्रल टेस्टिंग लैब (केन्द्रीय परीक्षण प्रयोगशाला) को राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट होने का दर्जा नेशनल एक्रेडेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड केलिबेरेशन लैबोरेट्रीज (NABL) ने प्रदान की है। सेन्ट्रल टेस्टिंग लैब- भिलाई, देश के 51 इलेक्ट्रिकल टेस्टिंग प्रयोगशालाओं में से एक है। सेन्ट्रल इंडिया में छत्तीसगढ़ के अलावा मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश में ही इस तरह के लैब है। इस लैब में विद्युत उपभोक्ताओं की विद्युत मीटरों की जांच भी की जाती है।

एन.ए.बी.एल द्वारा मान्यता मिलने से कंपनी की परीक्षण प्रयोगशाला की विश्वसनीयता उपभोक्ताओं के बीच बढ़ेगी, साथ ही इस प्रयोगशाला में जांचे परखे गये उपकरणों की गुणवत्ता का लाभ उपभोक्ताओं को मिलेगा।

नेशनल एक्रेडिशन लैब ने कंपनी के केन्द्रीय परीक्षण प्रयोगशाला को दो वर्षों के लिए अधिमान्यता दी है जिसकी अवधि 04 जून 2021 से 03 जुलाई 2023 तक होगी। इलेक्ट्रिकल इंडेकेटिंग और रिकार्डिंग इंस्ट्रोमेन्ट (इलेक्ट्रिसिटी मीटर) टेस्टिंग के लिए पूरे देश में केवल 51 लैब संचालित हैं जिसमें से भिलाई एक है। इस कार्य के लिए सेन्ट्रल इंडिया के अंतर्गत केवल 4 लैब को मान्यता प्राप्त है। जिसमें से छत्तीसगढ़ केन्द्रीय प्ररीक्षण प्रयोगशाला (CTL) को एकमात्र एक्रीडिटेड लैब होने का गौरव प्राप्त है। यहां प्रदेश स्तर पर ट्रांसफार्मर, मीटर सहित विभागीय सामग्रियों के अलावा छत्तीसगढ़ में विद्युत उत्पादन, वितरण, पारेषण संबंधी कार्यों से जुडी एजेंसियों के द्वारा ही प्रस्तुत विभिन्न उपकरणों के सेंपलों की भी जांच की जाती है। यह जांच आइएसओ/आईईसी के मान्यताओं के आधार पर की जाती है।

आकृति महिला मंडल ने जरूरतमंदों का किया सहयोग

आकृति महिला मंडल द्वारा गरीब महिलाओं व आवासीय कॉलोनी की श्रमिक महिलाओं को साड़ियां भेंटकर मदद पहुंचाई गई है। अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह के आवासीय कॉलोनी का आकृति महिला मंडल (सीनियर क्लब) लगातार लोक कल्याण के कार्य करता रहा है।

आकृति महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती शशि कोसरिया एवं उपाध्यक्ष श्रीमती सुनीता जांगड़े, श्रीमती अर्निका लकरा, श्रीमती लता कोसरे, श्रीमती नीना तिवारी, श्रीमती कमला सिंह व श्रीमती फिरोजा समद द्वारा पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ आवासीय कॉलोनी में सिविल विभाग में कार्यरत ठेका श्रमिक महिलाओं एवं गरीब महिलाओं को साड़ियां भेंट की हैं। आकृति महिला मंडल के कार्यों की प्रशंसा करते हुए मुख्य अभियंता श्री एचएन कोसरिया ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर सचिव श्रीमती अनामिका मिश्रा, सहसचिव प्रियंका गढ़पाले, कोषाध्यक्ष श्रीमती छाया कक्कड़, खेल-सचिव श्रीमती रुचि देवांगन, सांस्कृतिक-सचिव श्रीमती पुष्पांजलि साक्षी उपस्थित रहीं।

लेखा प्रशिक्षण पाठ्यक्रम एवं प्रशिक्षण अवधि अद्यतन

छ.ग. स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के मुख्य अभियंता (प्रशि. आर. एंड डी.) श्री ए.के. तिर्की के हस्ताक्षर से जारी परिपत्र क्र.- 02-06/एकाउंट ट्रेनिंग/41, रायपुर दिनांक 18 मई, 2021 के अनुसार ऑफिस असिस्टेंट ग्रेड-1/2 के अकाउंट ट्रेनिंग पाठ्यक्रम एवं अवधि का अद्यतन किया गया है। चूंकि अब सैप सिस्टम एवं अत्याधुनिक प्रणाली का उपयोग पॉवर कंपनीज में किया जा रहा है।

अतः तीन महीने की प्रशिक्षण अवधि एवं इससे संबंधित पाठ्यक्रम को पुनरीक्षित किया गया है। जिसके अनुसार अब 30 कार्यदिवस की प्रशिक्षण अवधि होगी तथा पाठ्यक्रम के मूल्यांकन हेतु केवल दो पेपर लिए जाएंगे, जिसमें पहला सैप पर तथा दूसरा अन्य विषय सामग्रियों पर केंद्रित होगा।

संकल्प महिला मंडल की नई कार्यकारिणी गठित

हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम में संकल्प महिला मंडल की वर्ष 2021-22 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन हो चुका है। इसमें अध्यक्ष रेखा श्रीवास एवं उपाध्यक्ष सोनिया बघेल, सीमा नायक, वंदना कोले, अनीता श्रीवास्तव, निहारिका शर्मा, प्रियंका पाटले और अर्चना डोंगरे बनाई गईं हैं। नवगठित कार्यकारिणी को मुख्य अभियंता आरके श्रीवास ने बधाई देते हुए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की है। इसके अलावा सचिव के पद पर निहारिका शर्मा, अतिरिक्त सचिव कविता पंड्या, कोषाध्यक्ष प्रवीणा बापट, खेल सचिव नेहा किलेदार व स्मिता करकरे, सांस्कृतिक सचिव सोमा कुंडू व कृष्णा साहू चुनीं गईं हैं।

पुरानी कार्यकारिणी द्वारा नई कार्यकारिणी का अभिनंदन करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की गईं। अध्यक्ष रेखा श्रीवास की उपस्थिति में पदोन्नति के बाद स्थानांतरित हुए निवर्तमान उपाध्यक्ष सपना लहरी और ममता टिकरिहा को संकल्प महिला मंडल द्वारा भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर डॉ. सीमा तिवारी, सरिता राठौर, प्रतिभा अग्रवाल, सूर्यकांता कश्यप, मुस्कान तिवारी, संगीता जैन और स्वाति सोनी समेत महिला मंडल की सदस्याएं उपस्थित रहीं।

एबीवीटीपीएस में विदाई समारोह

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह मड़वा से अप्रैल एवं मई माह में कार्यपालन अभियंता श्री अमरलोक श्रीवास्तव, वरिष्ठ पर्यवेक्षक श्री रामायण सिंह एवं कनिष्ठ पर्यवेक्षक श्री रामगोपाल कश्यप सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री एचएन कोसरिया ने सेवानिवृत्तजनों को स्वस्थ व सुखमय जीवन की करते हुए उन्हें स्मृति चिह्न व सेवा प्रमाण-पत्र भेंट किया। इस अवसर पर कार्यालय के समस्त अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे।

अति मुख्य अभियंता श्री मेश्राम की विदाई

मुख्य अभियंता सतर्कता कार्यालय रायपुर में पदस्थ अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री बंसत कुमार मेश्राम की सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई दी गई। विदाई कार्यक्रम में मुख्य अभियंता श्री एस.के. ठाकुर ने प्रतिकात्मक भेंट प्रशस्ति पत्र, शॉल, श्रीफल प्रदान कर उनके सुखमय जीवन की कामना की। कार्यक्रम में उपस्थित अधीक्षण अभियंता सर्वश्री बी.पी.मेश्राम, एस.के. चक्रवर्ती, कार्यपालन अभियंता श्री एम.विश्वकर्मा, जायसवाल सहित अन्य अधिकारियों ने भी अपनी मंगलकामनाओं की अभिव्यक्ति दी।

संकल्प महिला मंडल ने जरूरतमंदों का किया सहयोग

संकल्प महिला मंडल द्वारा कोरबा व उसके आसपास के स्कूल एवं लोक कल्याणकारी संस्थाओं को जीवनोपयोगी सामान और सहयोग राशि भेंटकर मदद पहुंचाई गई है। संकल्प महिला मंडल की अध्यक्ष रेखा श्रीवास एवं उपाध्यक्ष सोनिया बघेल, सीमा नायक, वंदना कोले, अनीता श्रीवास्तव, सपना लहरी, ममता टिकरिहा द्वारा पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ कोविड अस्पताल जूनियर क्लब, सेवा भारती, गौमुखी सेवाधाम, कुष्ठ आश्रम मुड़ापार, कोरबा, दर्री,, शासकीय पूर्व मा. शाला, रूमगड़ा, सर्वमंगला महिला स्व-सहायता केंद्र, कल्मीडुग्गू पहुंचकर आक्सीजन सिलेंडर, मास्क, सैनेटाइजर, सैनिटरी नैपकिन्स, राशन सामाग्री, गरीब कन्याओं के विवाह के लिए आर्थिक सहयोग किया गया।

संकल्प महिला मंडल के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कार्यपालक निदेशक आरके श्रीवास ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर सचिव डॉ. सीमा तिवारी, संयुक्त-सचिव सरिता राठौर, कोषाध्यक्ष प्रतिभा अग्रवाल, खेल-सचिव द्वय सूर्यकांता कश्यप, व मुस्कान तिवारी, सांस्कृतिक-सचिव द्वय स्वाति सोनी व संगीता जैन के साथ आवासीय कॉलोनी की महिलाएं भी उपस्थित रहीं।

सुमेधा संग नवीन

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी से सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक (पारेषण कंपनी) श्री हरीश कुमार बघेल एवं छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर होल्डिंग कंपनी की प्रबंध निदेशक श्रीमती उज्ज्वला बघेल की सुपुत्री सौ.कां. डॉ. सुमेधा का शुभ विवाह चि. नवीन सुपुत्र श्रीमती संतोष-श्री तेजसिंह के साथ 24 मई 2021 को रायपुर में सोल्लास संपन्न हुआ। बधाई...

सचिन संग आंचल

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी रायपुर के कार्यालय कार्यपालक निदेशक (नवीनीकरण) में कार्यरत श्री एस.के. सोनी, अधीक्षण अभियंता के सुपुत्र चि. सचिन सोनी का शुभ विवाह मेरठ (उत्तर प्रदेश) निवासी श्री विनोद त्यागी की सुपुत्री सौ.कां. आंचल के साथ 27 फरवरी 2021 को रायपुर में सोल्लास संपन्न हुआ। बधाई...

कांता संग मंजू

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के गरियाबंद उपसंभाग मैनपुर कार्यालय में डाटा एंट्री आपरेटर श्री कांता सिंह सुपुत्र स्व. श्री कुलपत सिंह का विवाह ग्राम बेलभाठा अभनपुर निवास सीतारामजी की सुपुत्री सौ.कां. मंजू के साथ 16 मई 2021 को बलौदाबाजार में सोल्लास संपन्न हुआ। बधाई...

हमारे गौरव

श्रीमती अर्चना दीवान को मिली पी.एच.डी.

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी एच.टी.पी.एस. कोरबा पश्चिम में सेवारत वरिष्ठ रसायनज्ञ श्री के.डी.दीवान की धर्मपत्नी श्रीमती अर्चना दीवान को गहिरागुरू विश्वविधालय अंबिकापुर, सरगुजा द्वारा पी.एच. डी. की उपाधि प्रदान की गई। श्रीमती दीवान शासकीय नवीन महाविद्यालय पॉली जिला कोरबा में सहायक प्राध्यापक (समाजशास्त्र) के पद पर पदस्थ हैं। इन्होंने समाज शास्त्र विषय के अन्तर्गत ''ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, संवर्धन'' में चक्रधारी समारोह की भूमिका एक समाजशास्त्री अध्ययन पर डॉक्टर एम.आर. गोयल के निर्देशन में शोध कार्य पूर्ण किया। बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी राजा चक्रधर सिंह पर वर्ष 2013 में श्रीमती दीवान द्वारा लिखित लघु शोध पुस्तिका का विमोचन चक्रधर समारोह में कत्थक सम्राट पंडित बिरजू महाराज द्वारा किया गया। पॉवर कम्पनी परिवार की ओर से बधाई...

कोरोना संग लड़ाई

बहुत होगे अब कोरोना संग लड़ई
रोज रोवावथे मनखे के बिदाई
बंद होगे मेला अउ मड़ई
घरे के पुरती हों गे अब लइका के खेलई
फकत ऑन लाइन मोबाइल के सिखई
अब्बड़ रोवत हवय पढ़ई
गरु हो गे हे परिवार के पोसई
झमेला म पड़ गे हे अब कमई
महामारी के देखत हस ढिठाई
घेरी बेरी करत हवय उतलई
जम्मो मइनखे मन झन करव कोताही
जुरमिल करबो कोरोना के खेदाई

मीना उदय रावले
कार्यालय सहायक श्रेणी-एक
नगर संभाग पश्चिम, रायपुर

नीबू-मिर्च की पीड़ा

आईना बोलता है

"शाम-सुबह की हवा लाख रुपए की दवा" इस बात को अपने बुजुर्गों से सुनते मैंने बचपन से प्रातः भ्रमण को अपनी दिनचर्या में शामिल किया। इससे ताजी हवा से तन-मन प्रसन्न रहता है और अच्छे विचारों की उत्पत्ति भी होती है। अपनी इसी दिनचर्या के अनुरूप पिछले रविवार को सुबह चार बजे प्रातः भ्रमण के लिए मैं निकल पड़ा था। चलते-चलते मुझे अचानक किसी के सिसकने की आवाज सुनाई दी। मेरे कदम उस दिशा में बढ़ चले जहां से रोने-सिसकने की आवाज आ रही थी। आगे जाकर मैंने देखा कि काले धागे में गूंथे मिर्च और नीबू एक-दूसरे से लिपट कर रो रहे हैं। मैंने उन्हें बड़े प्यार से उठाया और पूछा, क्या बात है, क्यों रो रहे है आप लोग?

मेरा यह प्रश्न सुनते ही वे गुस्से से लाल हो उठे। नीबू ने कहा- ज्यादा दया दिखाने की जरूरत नहीं है। तुम लोगों की वजह से ही हमें ऐसी तकलीफ सहना पड़ रहा है। नीबू और मिर्च को पिरो कर तुम लोग घर-दुकान अथवा मोटर गाड़ी में लटका कर रखते हो। जरा सोचो तुम्हें जब सुई चुभती है, कांटा गड़ता है तो कितनी पीड़ा होती है। हमें भी सुई-धागे में तुम पिरोते हो तो हम दर्द के मारे कराह उठते हैं, पर दूसरे के दुःख दर्द में हंसने वाले इंसान तुम क्या समझोगे हमारी पीड़ा।

इस पर मैंने नीबू को सहलाते हुए कहा- दरअसल टोना-टोटका और बुरी नजर से बचने के लिए ऐसा करने का रिवाज है। मेरे इस जवाब से लाल मिर्ची भड़कते हुए बोली- यह पूरी तरह से अंधविश्वास है। कान खोल कर सुन लो, जिस नीबू और मिर्च को उपजाने में किसान की मेहनत, पसीना के साथ-साथ पानी, बिजली और खाद का उपयोग भी होता है। उसे दरवाजे पर लटका कर दूसरे दिन सड़क पर फेंक देते हो, जो कि राहगीरों के जूते चप्पल, मोटर गाड़ियों के चक्के तले कुचल कर बरबाद हो जाते हैं। ऐसा करते समय भूल जाते हो कि बहुमूल्य नीबू-मिर्च को अंधविश्वास के चक्कर में टांगने-फेंकने से तुम्हारी सदगति नहीं, दुर्गति ही होगी।

विजय मिश्रा
संपादक

मिर्च की बात सुनकर अपनी गलती का अहसास करते हुए मैंने कहा- हां मिर्च बहन, तुम ठीक कह रही हो। तुम्हारी बातें सुन कर मेरी आत्मा से यही आवाज आ रही है कि सेहत के लिए बहुपयोगी नीबू, मिर्च का ऐसा दुरुपयोग करना मानव समुदाय के लिए अनिष्टकारक है। दुनिया कहां से कहां पहुंच गई है, फिर भी अंधविश्वास में डूबे लोग अपना समय, श्रम और पैसों की बर्बादी के साथ मन को कमजोर बनाये हुए जी रहे हैं।

मेरी बात को बीच में टोकते हुए नीबू ने कहा - इंसान बेहद स्वार्थी होता है, नीबू मिर्ची की तो बात ही छोड़ो, वह अपने स्वार्थ सिद्धि के लिए जीव जन्तुओं की बलि देने से भी बाज नहीं आता है। पढ़ा-लिखा ज्ञानीजन भी अंधविश्वास के मकड़जाल में फंसा हुआ है। मेहनत की महिमा का मर्म समझने के बजाय नीबू मिर्च लटकाने और जीवों की हत्या को अपनी सदगति का राह मान रहा है। सच तो यह है कि सदगति तभी मिलेगी जब पेड़-पौधों, जीव-जंतुओं के प्रति इंसान दया भाव रखेगा।

बिल्कुल सही बात कह रहे हो नीबू भाई, कहते हुए मिर्ची ऊंची आवाज में बोली- अगर थोड़ी भी समझदारी इंसानों में है तो वे नीबू और मिर्च रोज खरीदे, ताकि इसे बेचने वालों का भी जीवन निर्वाह हो सके, किन्तु इसे खरीद कर बर्बाद कर देने से अच्छा है कि किसी गरीब मजदूर को दान दे देना। ऐसा करने से इंसान के मेहनत की कमाई का सदुपयोग, किसान के श्रम का सम्मान और गरीब मजदूरों के आशीर्वाद की भी प्राप्ति होगी। यह ऐसा आशीर्वाद होगा जो कि सदैव दानदाता के मन को मजबूत बनायेगा और अंधविश्वास जैसे ढकोसलों से दूर रखेगा।

नीबू और मिर्च से बातचीत समाप्त करके मैं घर की ओर लौटने लगा। मेरे मन में उस समय यह भी विचार बार-बार आ रहे थे कि नीबू का उपयोग पूजा पाठ में होता है। मां दुर्गा और काली के लिए गहने का स्वरूप होता है, अतः अंधविश्वास के चक्कर में पड़कर इसका दुरुपयोग करना सचमुच अनिष्टकारी है।

प्रिंटिक स्केनर मिश्राबाड़ा, तात्यापारा, रायपुर 88899 14459

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर होल्डिंग कंपनी मर्यादित डंगनिया, रायपुर

फोन : 0771-2574702, फैक्स : 0771-2574702 | website : www.cspc.co.in

प्रमाणित किया जाता है कि पत्रिका के मेक मुद्रण/प्रकाशन आदि गुणवत्ता एवं पत्रिका के अंदर के पृष्ठों में 90 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) और कवर पृष्ठों में 220 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) का उपयोग किया गया है - मुद्रक